रांची, शुक्रवार
19.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 197, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखंड राज्यसभा चुनाव: झामुमो के बैद्यनाथ राम और निर्दलीय परिमल नथवानी विजयी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रत्याशी बैद्यनाथ राम और निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी ने जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को हार का सामना करना पड़ा।

कुल 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में गुरुवार को हुए मतदान में झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम को 31 वोट मिले और वे आसानी से राज्यसभा पहुंचने में सफल रहे। दूसरी सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी ने जीत हासिल की। उन्हें कुल 30 वोट मिले थे, जिनमें से दो मत रद्द हो गए और अंतिम रूप से उनके खाते में 28 वैध वोट दर्ज किए गए।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को 20 वोट प्राप्त हुए, जिनमें से एक वोट अमान्य घोषित किया गया। कुल तीन मत रद्द होने के बाद अंतिम गणना में बैद्यनाथ राम को 31 और परिमल नथवानी को 28 वैध वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार अपेक्षित समर्थन हासिल नहीं कर सके।

चुनाव परिणाम के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मतदान से पहले सत्तारूढ़ इंडी गठबंधन के नेताओं ने दोनों सीटों पर जीत का दावा किया था और एकजुटता की बात कही थी। हालांकि परिणामों ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिमल नथवानी की जीत को लेकर गठबंधन के भीतर क्रॉस वोटिंग और असंतोष की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं।

इस बीच झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वाम दलों के विधायकों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी 16 विधायकों ने प्रणव झा को वोट दिया।

उल्लेखनीय है कि परिमल नथवानी देश के प्रमुख उद्योग समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े रहे हैं और लंबे समय से झारखंड की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे दो बार झारखंड से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में पहली बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा चुनाव जीता था। इसके बाद वर्ष 2014 में भी उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कर उच्च सदन में अपनी उपस्थिति बरकरार रखी। अब तीसरी बार वे राज्यसभा पहुंचने में सफल हुए हैं।

वहीं झामुमो के बैजनाथ राम का राजनीतिक सफर संघर्ष और उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। लातेहार के शहीद चौक स्थित धोबी मुहल्ला के निवासी बैजनाथ राम का जन्म वर्ष 1967 में लातेहार प्रखंड के परसही गांव में हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त की और बाद में बालक उच्च विद्यालय, लातेहार से मैट्रिक और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने बनवारी साहू महाविद्यालय से राजनीतिक शास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की।

राजनीति में आने से पहले उन्होंने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में लगभग तीन वर्षों तक शिक्षक के रूप में कार्य किया। वर्ष 2000 में झारखंड राज्य गठन के बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर राजनीति को अपना पूर्णकालिक कार्यक्षेत्र बना लिया।

बैजनाथ राम ने वर्ष 2000 में जनता दल यूनाइटेड के टिकट पर पहली बार लातेहार विधानसभा सीट से जीत दर्ज की और इसके बाद खेल, मद्य निषेध तथा स्वास्थ्य मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वर्ष 2005 में वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए और शिक्षा मंत्री बने। बाद में राजनीतिक परिस्थितियों के चलते टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने भाजपा छोड़कर झामुमो का दामन थाम लिया। अब झामुमो प्रत्याशी के रूप में राज्यसभा चुनाव जीतकर उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक अनुभव में एक और उपलब्धि जोड़ ली है।

मुख्यमंत्री से नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड से नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ब्ौद्यनाथ राम को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मौके पर मुख्यमंत्री ने पूर्ण विश्वास जताया कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा में झारखंड की जन भावनाओं, जन अपेक्षाओं तथा जनहित एवं विकास से जुड़े मुद्दों को सशक्त रूप से रखने में बैद्यनाथ राम अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

मौके पर मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक मथुरा प्रसाद महतो एवं विधायक उमाकांत रजक उपस्थित रहे।

तकनीक का फायदा सभी को मिलना चाहिए: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का मानना है कि बदलाव के इस दौर में टेक्नोलॉजी का फायदा सभी को मिलना चाहिए। उन्होंने एआई का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे लोगों की जिंदगी बेहतर होनी चाहिए, पहुँच बढ़नी चाहिए, विकास को बढ़ावा मिलना चाहिए और हमें एक स्वस्थ ग्रह बनाए रखने में भी मदद मिलनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में वीवाटेक-2026 में हिस्सा लिया और कहा कि भारत के लिए एआई का मतलब सबका साथ (ऑल इनक्लूसिव) है। एआई कंट्री पार्टनर के तौर पर हमारी भागीदारी इसी सोच को दिखाती है।

टेक सम्मेलन में पिछली और मौजूदा भागीदारी के हालात की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया कोविड-19 के

संकट का सामना कर रही थी। आज दुनिया अलग तरह के बदलावों का अनुभव कर रही है। उन्होंने वीवा टेक-2021 के संदेश को दोहराया कि जहाँ पारंपरिक तरीके काम नहीं आते, वहाँ इनोवेशन मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने 2026 को भारत और यूरोप के लिए एक खास साल बताया। उन्होंने कहा कि साल की शुरूआत ऐतिहासिक भारत-ईयू (यूरोपीय संघ) मुक्त व्यापार समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा।

उन्होंने कहा कि इस साल भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरूआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है।

प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में शामिल नहीं हुए पार्टी के 6 सांसद

नई दिल्ली। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित संसदीय दल की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले छह लोकसभा सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पार्टी व्हिप की अवहेलना को देखते हुए यह कार्रवाई की जा रही है। पार्टी की ओर से दिए गए व्हिप के बावजूद छह सांसद अनुपस्थित रहे। इनमें संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व), संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम), नागेश पाटिल अष्टिकर (हिंगोली), संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी) और ओमप्रकाश उर्फ ओम राजे निम्बाळकर (धाराशिव/उस्मानाबाद) शामिल हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दावा है कि शिवसेना (यूबीटी) के अधिकांश सांसद दल बदलने को तैयार हैं।

अमेरिका-ईरान के बीच प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर, अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए 60 दिन का युद्ध विराम लागू

एजेंसी

एवियन (फ्रांस) : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने खाड़ी क्षेत्र में युद्ध विराम को 60 दिन तक बढ़ाने के लिए गुरुवार को एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौते का उद्देश्य ईरान-अमेरिका टकराव के चलते बंद पड़े महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार मार्ग को खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करना है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने फ्रांस के वर्साय शहर में ऐतिहासिक वर्साय महल में और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने तेहरान में इस समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता भारतीय समय के अनुसार आज सुबह पांच बजे से प्रभावी माना गया है।

वर्साय पैलेस में हस्ताक्षर समारोह का आयोजन श्री ट्रम्प के सम्मान में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन द्वारा आयोजित रात्रि-भोज के ठीक पहले

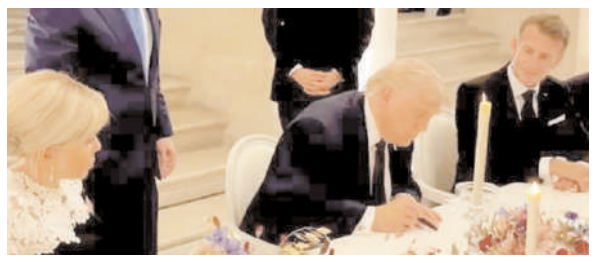

किया गया था। दोनों पक्षों ने इसे युद्ध को खत्म करने की दिशा में पहला बड़ा कदम बताया है।

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक वीडियो में श्री ट्रंप फारसी भाषा के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हुए दिख रहे हैं। हस्ताक्षर करने के बाद उन्होंने कलम विदेश मंत्री मार्को रुबियो को थमा दी और निर्देश दिया कि इसे ईरानी प्रतिनिधिमंडल को सौंप दिया जाए ताकि वे भी इस पर हस्ताक्षर कर सकें। वहां मौजूद लोगों ने इस समझौते पर ताली बजाकर श्री ट्रंप का स्वागत किया।

इसके कुछ ही समय बाद तेहरान में राष्ट्रपति पेजेशकियन ने भी इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि श्री पेजेशकियन ने इस समझौते पर डिजिटल तरीके से हस्ताक्षर किए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि हस्ताक्षर करने के साथ ही यह समझौता 'तुरंत' लागू हो गया है।

'इस्लामाबाद समझौते' के नाम से जाने जाने वाले इस समझौते पर दोनों पक्षों की महीनों की प्रत्यक्ष और परोक्ष बातचीत के बाद हस्ताक्षर किए गये हैं। इसके जरिए शांति बहाली के लिए एक व्यापक खाका तैयार किया गया है।दोनों देश अगले 60 दिनों में इस व्यवस्था को ठोस रूप देने की कोशिश करेंगे।

वर्साय का यह समारोह महीनों के तनाव और संघर्ष के बाद कूटनीति और बातचीत की सफलता का बड़ा अवसर रहा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और पश्चिम एशिया में सशस्त्र गुटों को ईरान के समर्थन से उत्पन्न विवाद ने 28 फरवरी युद्ध का रूप ले लिया। युद्ध के पहले दिन अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई वरिष्ठ ईरानी सैन्य कमांडरों की मृत्यु हो गयी। यह युद्ध तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गया तथा होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग बंद हो गया जो कि दुनिया के 20 प्रतिशत तेल और गैस के व्यापार का रास्ता है।

मोहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर डीसी ने की बैठक

बिभा संवाददाता

रामगढ़। जिले में मोहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप आयोजन को लेकर डीसी ऋतुराज और एसपी मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान बैठक में डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को मोहर्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र के संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। साथ ही लाइसेंसी एवं गैर-लाइसेंसी जुलूसों की सूची तैयार कर उनका भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा।

डीसी एवं एसपी ने सभी दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करने एवं जुलूस मार्गों का सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाले जाएं तथा इस संबंध में थाना स्तर पर विशेष निगरानी रखी जाए।

बैठक में कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि जुलूस मार्गों पर कहीं भी टूटे या झूलते हुए विद्युत तार नहीं रहें। वहीं थाना प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि जुलूस मार्गों पर पेड़ों की शाखाएं अत्यधिक नीचे न हों और आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

डीसी ने सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में आपत्तिजनक एवं भड़काऊ सामग्री पर विशेष नजर रखने तथा आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान सभी दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मोहर्रम समिति के सदस्यों के साथ समन्वय बैठक आयोजित करने एवं आपसी संवाद एवं सहयोग के माध्यम से पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की बात कही गई। संवेदनशील क्षेत्रों में संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त सभी चौकीदारों को संवेदनशील स्थलों पर प्रतिनियुक्त कर नियमित रूप से स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराने और सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपरोक्त बिंदुओं के आलोक में की गई कार्रवाई का संयुक्त प्रतिवेदन 22 जून 2026 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

सीसीई डिवीजन का रक्तदान शिविर आयोजित

जमशेदपुर(बिभा): टाटा मोटर्स ब्लड डोनेशन सेंटर में सी सी ई डिवीजन के द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित की गई। जिसमें कुल 76 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। कार्यक्रम में बतौर अतिथि सी. सी. ई . डिवीजन के जीएम जी. जी. मंडल, ईआर , सीएसआर व स्किल डेवलपमेंट के जीएम सौमिक रॉय , टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद , महामंत्री आर के सिंह , डीजीएम शंतु होर , शिवा पात्रा , कुंतल राय , डॉ चिन्मय चक्रवर्ती, वरीय प्रबंधक आंचल सिंहा समेत अन्य वरीय पदाधिकारी एवं कमेटी मेंबर कमेटी उपस्थित थे। रक्तदान में अर्धशतक पूरा करने वाले पंकज कुमार गुप्ता को शिविर में सम्मानित किया गया। अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह तथा उपहार भेंटकर श्री गुप्ता को सम्मानित किया गया। यूनियन के अध्यक्ष, महामंत्री समेत तमाम प्रबंधन के वरीय पदाधिकारियों ने पंकज गुप्ता को उनके इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

इटकी में गिरेन्द्र टूटी ने संभाला पदभार, पूर्व जिला पार्षद ने शॉल व पुष्पगुच्छ देकर किया सम्मानित

इटकी(बिभा) : इटकी अंचल कार्यालय में नए अंचलाधिकारी (सीओ) के रूप में गिरेन्द्र टूटी ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पार्षद लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। नवपदस्थापित सीओ गिरेन्द्र टूटी ने कहा कि आम जनता को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और राजस्व संबंधी कार्यों के निष्पक्ष निष्पादन का भरोसा दिलाया। इस मौके पर देवेंद्र महतो, ननंद, लाल महतो, पंचम महतो, धिरेन्द्र महतो, गौतम कुमार कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और नए सीओ का स्वागत किया।

अवैध बालू के खेल ने ली एक और जान! कुकडू में ट्रैक्टर की टक्कर से महिला की मौत, चालक फरार

कुकडू(बिभा): सरायकेला-खरसावां जिले के कुकडू प्रखंड अंतर्गत पलाशडीह गांव में गुरुवार अहले सुबह अवैध बालू परिवहन से जुड़े एक दर्दनाक हादसे में 50 वर्षीय आमोति महतो की मौत हो गई। मृतका स्वर्गीय निबारण महतो की पत्नी थीं। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 4 बजे गांव में तीन बालू लदे ट्रैक्टर पहुंचे थे। इनमें से दो ट्रैक्टरों ने मृतका के घर के सामने बालू गिराया, जबकि एक ट्रैक्टर बालू लेकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से आमोति महतो की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के बाद अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रैक्टर चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बालू परिवहन का कारोबार जारी है, लेकिन प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने दोषी चालक की जल्द गिरफ्तारी, मृतक परिवार को उचित मुआवजा तथा अवैध बालू परिवहन पर सख्त रोक लगाने की मांग की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जामटोली रोड में शिव शक्ति फूड्स फ्लावर मिल का सन्नी टोप्पो ने किया उद्घाटन

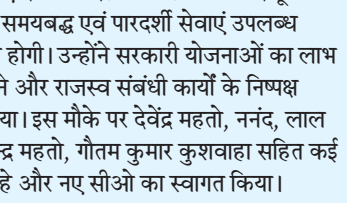

बेड़ो(बिभा)। क्षेत्र के विकास और स्थानीय स्तर पर शुद्ध खाद्य सामग्री की उपलब्धता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बेड़ो के जामटोली रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के समीप शिव शक्ति फूड्स फ्लावर मिल का भव्य उद्घाटन किया गया। प्रतिष्ठान का शुभारंभ भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया। इस अवसर पर मिल संचालक करूणा निधि गुप्ता, भाजपा बेड़ो मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह, जगन्नाथ भगत, मनोज उरांव, बिरसा उरांव, आनंद साहू, डॉ. राजेश साहू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने नए प्रतिष्ठान के उद्घाटन पर खुशी जताते हुए संचालक को शुभकामनाएं दीं। जामटोली रोड स्थित इस आधुनिक फ्लावर मिल में क्षेत्रवासियों को शुद्धता की गारंटी के साथ गेहूं, मकई, मल्टीग्रेन समेत विभिन्न प्रकार के आटे उचित मूल्य पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सन्नी टोप्पो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं और किसानों को भी लाभ पहुंचता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में मिलावटखोरी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। ऐसे में शिव शक्ति फूड्स द्वारा शुद्ध और विभिन्न प्रकार का आटा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की पहल सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान मिल प्रबंधन की ओर से मुख्य अतिथि सन्नी टोप्पो को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में मिल संचालक ने समारोह में शामिल सभी अतिथियों, सामाजिक कार्यकताओं और ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डालसा का सिल्ली के राधिका मैदान में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

सिल्ली : माननीय न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं माननीय सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की मौजुदगी में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इसी आलोक में गुरुवार को सिल्ली के राधिका मैदान में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी गणेश कुमार, ब्रजेश कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, कौशल्या देवी, शंकर महतो, बंशीधर घटवार, पंकज महतो, राजकुमार, चालक राजा वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित थे। डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने उपस्थित लोगों को माननीय झालसा द्वारा संचालित योजना तृप्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट तृप्ति मुख्य रूप से झारखंड में भूख को मिटाने, भुखमरी से होने वाली मौतों को रोकने और मानव तस्करी से मुक्त कराए गए पीड़ितों के पुनर्वास के लिए संचालित एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण कानूनी कल्याणकारी योजना है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े असहाय, गरीब, आदिम जनजातियों और तस्करी के पीड़ितों को न्याय व सम्मानजनक जीवन दिलाना है। उन्होंने कहा कि भारत में खाद्य सुरक्षा कानून होने के बावजूद, कई सुदूरवर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग भुखमरी और कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए झालसा ने ह्यप्रोजेक्ट तृप्तिह्ल की यह प्रोजेक्ट विशेष रूप से मानव तस्करी के जाल से छुड़ाए गए बच्चों और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके पुनर्वास के लिए काम करता है।बाल विवाह, बाल श्रम, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, पेशा अधिनियम, लोक अदालत तथा राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। यह भी ज्ञात हो कि डालसा के पीएलवी ने आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत पर फोकस किये और कहा कि उक्त तिथि को वादकारी अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क करा सकते हैं।

भाजपा ने जनसमस्याओं को लेकर बीडीओ व सीओ को सौंपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

बेड़ो: भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी बीडीओ एवं अंचल पदाधिकारी सीओ को विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रखंड और अंचल कार्यालयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई।

अंचल पदाधिकारी को सौंपे गए मांग पत्र में अंचल कार्यालय के कर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने, लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करने, वज्रपात से मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अविलंब मुआवजा देने तथा ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत राशि उपलब्ध कराने की मांग की गई।

वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों को पारदर्शी तरीके से आवास उपलब्ध कराने, तीन वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित कर्मियों के स्थानांतरण, कार्यालय कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मानसून को देखते हुए गांवों में विशेष सफाई अभियान चलाने की मांग की गई।

इसके अलावा डीडीटी एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने, बंद पड़े चापाकलों एवं जलमीनारों को चालू कराने तथा प्रखंड परिसर में शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी मांग रखी गई।

भाजपा मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने कहा कि ज्ञापन में शामिल सभी मुद्दे सीधे आम जनता की समस्याओं से जुड़े हुए हैं। प्रशासन को जनहित के इन विषयों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मांगों पर समय रहते पहल नहीं की गई तो भाजपा जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी।

मौके पर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, युवा नेता सनी टोप्पो, आलोक मिश्रा, राजेश साहू, तेजु दास, भिखा उरांव, बिरसा उरांव, आनंद साहू, गणेश राम महथा, अरुण प्रसाद गुप्ता सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

नशामुक्ति और साइबर सुरक्षा पर छात्रों को किया जागरूक, एसीसी हाई स्कूल खलारी में नए थाना प्रभारी का स्वागत

युवा पीढ़ी यदि सही दिशा में आगे बढ़ेगी तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत होंगे : राम कुमार

बिभा संवाददाता

खलारी। एसीसी हाई स्कूल खलारी के सेमिनार हॉल में गुरुवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार ने नए थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया।कार्यक्रम में खलारी के पुलिस उपाधीक्षक राम नारायण चौधरी तथा सब इंस्पेक्टर कपिल देव यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की प्राचार्या अर्चना उपाध्याय और प्रशासक जामवंत सिंह द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई।इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नए थाना प्रभारी का अभिनंदन किया।अपने संबोधन में पुलिस उपाधीक्षक राम नारायण चौधरी ने छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के भविष्य को अंधकारमय बना देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि सही दिशा में आगे बढ़ेगी तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत होंगे। चौधरी ने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर भी चिंता व्यक्त की और छात्रों को डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि फर्जी फोन कॉल, ऑनलाइन लॉटरी, बैंकिंग धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी से बचने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पंचायत समिति सदस्य के गांव में ही पेयजल संकट, एक वर्ष से खराब पड़ी है सोलर जलमीनार

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी प्रखंड की चूरी पूर्वी पंचायत अंतर्गत कलीनगर बस्ती में पिछले लगभग एक वर्ष से सोलर जलमीनार खराब पड़ी है, जिससे ग्रामीणों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जिस बस्ती में यह जलमीनार स्थित है, वहीं की निवासी पंचायत समिति सदस्य भी हैं और उनके घर के समीप ही यह जलमीनार स्थापित है, इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है।ग्रामीणों के अनुसार, जलमीनार बंद रहने से बस्ती के दर्जनों परिवारों को रोजाना पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग पीने का पानी लाने के लिए दूर-दराज के कुओं, चापाकलों और अन्य जलस्रोतों का सहारा लेने को मजबूर हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि जलमीनार की खराबी को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग को जानकारी दी गई, लेकिन अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है कि जलमीनार जल्द ठीक कर दी जाएगी, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जिस गति से काम हो रहा है, उससे लगता है कि मरम्मत गर्मी बीत जाने के बाद या फिर अगली गर्मी में ही हो पाएगी।ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब पंचायत समिति सदस्य के गांव और उनके घर के पास स्थित जलमीनार ही एक वर्ष से खराब पड़ी है, तो पंचायत के अन्य क्षेत्रों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों ने प्रशासन और पेयजल विभाग से अविलंब हस्तक्षेप कर जलमीनार की मरम्मत कराने तथा नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा की अनदेखी किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को विवश होंगे।

डीएमएफटी योजना पर उठे सवाल, अच्छी सड़क तोड़कर फिर बनाया जा रहा पीसीसी पथ

भूतनगर में पुराने मार्ग के पुनर्निर्माण पर ग्रामीणों ने जताई आपत्ति, सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी प्रखंड के भूतनगर गांव में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) योजना के तहत कराए जा रहे पीसीसी सड़क निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस सड़क का पुनर्निर्माण किया जा रहा है, उसकी स्थिति पहले से ही अच्छी थी और उस पर आवागमन में कोई विशेष परेशानी नहीं थी। इसके बावजूद लाखों रुपये की लागत से उसी सड़क को दोबारा बनाया जा रहा है।जानकारी के अनुसार एनके एरिया की केडीएच परियोजना अंतर्गत भूतनगर में कुरबान अंसारी के घर से बबलू उरांव के घर होते हुए महेंद्र उरांव के घर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य डीएमएफटी योजना से कराया जा रहा है। इस परियोजना का शिलान्यास कांके विधायक सुरेश बैठा द्वारा किया गया है, जबकि निर्माण कार्य कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी-1, रांची की देखरेख में संचालित हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क का अधिकांश हिस्सा पहले से निर्मित एवं उपयोग योग्य था। सड़क में न तो कोई गंभीर क्षति थी और न ही ऐसी स्थिति थी कि उसके पूर्ण पुनर्निर्माण की आवश्यकता पड़े। आरोप है कि सड़क की लंबाई में मामूली विस्तार को आधार बनाकर पूरे मार्ग को नई योजना में शामिल कर दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि केवल कुछ मीटर सड़क का विस्तार करना था तो उसी हिस्से का निर्माण कराया जा सकता था, लेकिन पूरे मार्ग को तोड़कर दोबारा बनाने से सरकारी राशि के अनावश्यक खर्च होने की आशंका पैदा हो गई है।मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। लोगों का सवाल है कि जब पुरानी सड़क सुचारु रूप से उपयोग में थी, तो उसके पुनर्निर्माण की स्वीकृति किन परिस्थितियों में दी गई। ग्रामीणों ने योजना की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। वहीं, इस मामले को लेकर डीएमएफटी योजना में वित्तीय अनियमितता और सरकारी धन के संभावित दुरुपयोग की चर्चा भी तेज हो गई है।

जेवर लूट कांड मामले में मुख्य साजिशकर्ता सहित दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रामगढ़। एसपी मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर गोला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने जेवर लूट कांड के मुख्य साजिशकर्ता सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि गोला थाने के भेंडा नदी पुल के समीप कुछ हथियारबंद अपराधियों ने एक गाड़ी को रोककर जेवरात लूट लिए थे। सोना-चांदी के जेवरात लूटने की घटना में पुलिस ने मुख्य षड्यंत्रकर्ता दीपक कुमार स्वर्णकार को गिरफ्तार किया है। उसका स्थायी पता अग्रवाल मुहल्ला, गोला है, जबकि वर्तमान में वह हजारीबाग जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत मटवारी, इमली चौक में रह रहा था। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। वहीं, गोला थाना में मारपीट कर जख्मी करने के आरोप में दर्ज मामले के प्राथमिकी अभियुक्त शत्रुधन साव को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की ओर से लंबित मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला करने के तीन आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में सैफ अंसारी, अमन अंसारी उर्फ गोलू और सायम सुजान शामिल है। इनके पास से घटना के समय पहने हुए कपड़े, रैपिडों कैब (सेन्ट्रो कार) और चार स्मार्टफोन बरामद किया गया।

एसएसपी राकेश रंजन ने गुरुवार की रात प्रेस वार्ता में बताया कि 16 जून की देर रात चुटिया निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, झारखण्ड प्रदेश कार्यालय में अज्ञात अपराधियों के जरिये पेट्रोल बम फेंकने की घटना को अंजाम दिया गया था। इस संबंध में चुटिया थाना मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) का गठन किया गया।

गठित एसआईटी के जरिये सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन एवं तकनीकी सहयोग से काण्ड के मुख्य आरोपितों का चिन्हित किया गया। गठित एसआईटी के जरिये विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। इसी क्रम में घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित दूसरे राज्य भागने के प्रयास में थे। इसी क्रम में कोडरमा के गझण्डी रेलवे स्टेशन के पास से घटना में शामिल आरोपित सैफ अंसारी और अमन अंसारी उर्फ गोलू को बोकारो एवं कोडरमा पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सैफ अंसारी एवं अमन अंसारी उर्फ गोलू के जरिये अपना अपराध स्वीकार करते हुए सायम सुजान के साथ घटना को अंजाम देने की बात कही गई। जिसे छापेमारी के कम में रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के निशानदेही पर घटना के समय इनके जरिये पहने गये कपड़ों को लोअरबाजार थाना अंतर्गत नाले के समीप से बरामद एवं जब्त किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि प्रांरभिक जांच एवं पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों किसी अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े होने की बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले को आगे के अनुसंधान के लिए आंतकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) से कराने के लिए अनुरोध किया गया था, जिसे स्वीकृति दी जा चुकी है। काण्ड का अग्रतर अनुसंधान आंतकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) झारखण्ड, रांची की ओर से किया जायेगा।

वहीं, गिरफ्तार आरोपित सैफ अली कोतवाली थाना परिसर में स्थित शौचालय में शौच करने की बात कहकर शौचालय गये और इसी कम में तैनात पहराकर्मी को चकमा देते हुए वेंटिलेशन का ग्रील एवं शीशा तोड़कर भाग गया। भागने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी को अलर्ट किया गया। भागने के क्रम में आरोपित सैफ को मांडर थाना पुलिस के जरिये चामा मोड़ के पास वाहन चेंकिग में पकड़ा गया, जिसे निकटवर्ती थाना ले जाने के क्रम में सैफ अली के जरिये पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर दोबारा पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ कार्रवाई करत हुए फायरिंग की , जिसमें सैफ अली के पैर में गोली लगने से वह जख्मी हो गया, जिसे ईलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अमन अंसारी हाल ही में दुबई से भारत लौटा था। उसका आतंकवादी संगठन आईएसआई से संपर्क है। आईएसआई के कहने पर ही संघ कार्यालय पर हमला किया गया था। उसे इससे बड़ा भी कुछ करना था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल कर रही है और आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

हजारीबाग ट्रैफिक अव्यवस्था मामले में हाई कोर्ट ने सरकार को 9 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। हजारीबाग शहर में बढ़ती ट्रैफिक समस्या और अव्यवस्थाओं को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई हुई। मामले में सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई, जिस पर अदालत ने 9 जुलाई तक का समय दे दिया।

अदालत ने प्रार्थी को निर्देश दिया कि वह सरकार के जवाब को देखते हुए अब तक दिए गए अपने सुझावों को संक्षिप्त रूप में शपथ पत्र के माध्यम से प्रस्तुत करें। मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से बताया गया कि अदालत के 28 अगस्त 2025 के आदेश का अनुपालन अब तक नहीं किया गया है। हजारीबाग में सड़कों पर अतिक्रमण, पार्किंग स्थलों पर कब्जा और सीसीटीवी कैमरों के खराब होने जैसी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। साथ ही ट्रैफिक लाइट भी स्थापित नहीं किए गए हैं।

प्रार्थी पक्ष ने यह भी कहा कि खराब सीसीटीवी कैमरों के कारण शहर में चोरी और छिनतई की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अच्युत स्वरूप मिश्रा ने पक्ष रखा।

गौरतलब है कि खंडपीठ ने पिछली सुनवाई में कहा था कि हजारीबाग शहर में पार्किंग स्थलों से अतिक्रमण हटाना, ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराना और खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त करना आवश्यक है। अदालत ने यह भी नोट किया था कि वर्ष 2017 में लगाए गए लगभग 160 कैमरे एएमसी (वार्षिक रखरखाव अनुबंध) के अभाव में बंद पड़े हैं।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस का बिकने का इतिहास, दूसरों पर उंगली उठाने से पहले झांके अपने गिरेबान में : माले

रांची(बिभा)। भाकपा (माले) के झारखंड राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में पार्टी के दोनों विधायक अरूप

चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के पक्ष में मतदान किया। मतदान प्रक्रिया के दौरान पार्टी की ओर से पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो और केंद्रीय कमिटी सदस्य गीता मंडल अधिकृत एजेंट के रूप में मौजूद थे और उन्होंने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी की ओर से अधिकृत एजेंट हलधर महतो वहां मौजूद थे। राज्य सचिव ने कहा कि पार्टी के विधायकों ने वोट देकर उन्हें दिखाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के विधायकों ने कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा को ही वोट किया है। मनोज भक्त ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के परिणाम से साफ है कि कांग्रेस अपने विधायकों को संभालने में विफल रही है। कांग्रेस अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए अनर्गल प्रलाप कर रही है। कांग्रेस का बिकने का इतिहास रहा है। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाकपा (माले) इंडिया गठबंधन की एक जिम्मेदार सहयोगी पार्टी है और उसने गठबंधन धर्म का पालन करते हुए कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन किया है। इसलिए निराधार आरोप लगाने के बजाय कांग्रेस नेतृत्व को अपने भीतर हुई टूट और क्रॉस वोटिंग के कारणों की गंभीर समीक्षा करनी चाहिए।

चंद्रवंशी महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन 18-19 जुलाई को रांची में होगा आयोजित

रांची(बिभा)। अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 18 एवं 19 जुलाई को रांची में आयोजित किया जाएगा। यह दो दिवसीय सम्मेलन हरमू रोड स्थित सहजानंद चौक के समीप स्वागतम बैंक्विट हॉल में होगा, जिसमें देशभर से चंद्रवंशी समाज के प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे। यह

जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय समिति, राष्ट्रीय उपसमिति, विभिन्न प्रांतीय समितियों, जिला समितियों तथा उनकी उपसमितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेंगे। देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों के रांची पहुंचने की संभावना है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संगठन को और मजबूत बनाना, समाज के समक्ष मौजूद चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना तथा सामाजिक, शैक्षणिक और संगठनात्मक विकास की दिशा में भावी रणनीति तय करना है। इस दौरान समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और संगठन के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जाएंगे। अशोक आजाद ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा समाज का एक पुराना और प्रतिष्ठित संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 1906 में हुई थी तथा 1912 में यह पूर्ण रूप से अस्तित्व में आया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देशभर से हजारों सदस्य संगठन से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

रांची में अन्नपूर्णा सेवा अभियान के तहत निराश्रितों को कराया गया भोजन

रांची(बिभा)। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित अन्नपूर्णा सेवा अभियान के तहत गुरुवार को सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में रह रहे मंदबुद्धि, दिव्यांग एवं निराश्रित लोगों के बीच पौष्टिक भोजन का वितरण किया गया। पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम परिसर में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम के दौरान आश्रम में रह रहे 48 निराश्रित व्यक्तियों तथा उनकी देखभाल में लगे सेवादारों को विभिन्न व्यंजनों से युक्त भोजन कराया गया। यह आयोजन परमहंस संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी डॉ. सदानंद जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवा अभियान के तहत नियमित रूप से भोजन वितरण किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि 1 जून 2026 से 18 जून 2026 तक के 18 दिनों में कुल 3,990 निराश्रितों एवं सेवादारों को भोजन उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों में अब तक 1 लाख 40 हजार से अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों और असहाय लोगों की सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज कुमार चौधरी, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

परिमल नाथवानी की जीत पर झारखंड भाजपा उत्साहित, नेताओं ने दी बधाई

जीत का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा : आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्यसभा चुनाव में एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी की प्रचंड जीत पर झारखंड भाजपा काफी उत्साहित है। भाजपा नेताओं ने पहले ही परिमल नाथवानी की जीत का दावा किया था जो सच साबित हुआ । कांग्रेस की सारी रणनीति बेकार साबित हुई और एनडीए समर्थित प्रत्याशी ने जीत का परचम लहरा दिया।

परिमल नाथवानी की जीत पर झारखंड विधानसभा में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित अन्य भाजपा नेताओं ने उन्हें जीत की बधाई दी। वहीं परिमल नाथवानी का भाजपा प्रदेश कार्यालय में भी भव्य स्वागत किया गया। परिमल नाथवानी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि यह विजय एनडीए की एकजुटता, सशक्त संगठन और जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। साथ ही यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास और जनकल्याण आधारित नीतियों पर मुहर भी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश की जनता तो पहले ही नकार चुकी है, झारखंड ने भी आज कांग्रेस को पूरी तरह खारिज कर दिया। कांग्रेस को अब लोग तनिक भी पसंद नहीं करते हैं। एनडीए के सारे विधायकों ने एकजुट होकर मतदान किया जो कांग्रेस के उस दावे पर करारा तमाचा है जिसमें एनडीए विधायकों को लेकर ये लोग तरह तरह का अफवाह फैला रहे थे। जिस कांग्रेस को अपना स्थानीय पोलिंग एजेंट तक नहीं मिला, उस पार्टी के बारे में बात करना ही बेकार है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्यसभा में परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी से ही एनडीए समर्थित उम्मीदवार की जीत तय हो गई थी। वे 12 वर्षों तक झारखंड से कुशल नेतृत्व

झारखंड के विकास में योगदान देने के लिए अपनी कर्मभूमि लौटा : नाथवानी

भाजपा प्रदेश कार्यालय में परिमल नाथवानी ने कहा कि 2008 और 2020 के बीच झारखंड से एक स्वतंत्र (निर्दलीय) सांसद के रूप में दो अत्यधिक प्रभावशाली और लगातार कार्यकाल उन्होंने पूरा किया है। झारखंड से उनका पुनः चुना जाना उस राज्य में एक ऐतिहासिक वापसी का प्रतीक है जिसे वे लंबे समय से संजोते रहे हैं। झारखंड के विकास में योगदान देने के लिए वे अपनी कर्मभूमि वापस लौटे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, झारखंड भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू, झारखंड विधानसभा में भाजपा के नेता बाबूलाल मरांडी, झारखण्ड विधानसभा में विरोधी दल के मुख्य सचेतक नवीन जयसवाल के साथ-साथ भाजपा और एनडीए के सभी प्रमुख नेताओं के साथ सभी विधायकों के प्रति अपनी जीत सुनिश्चित करने में उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। नथवाणी ने कहा कि यहां एक दशक से अधिक का समय बिताने के कारण, झारखंड मेरे लिए नया नहीं है। यह मेरी कर्मभूमि है। यहां के लोगों की एक बार फिर सेवा करने का अवसर मिलने के लिए दिल की गहराई से आभारी हूं। उन्होंने कहा कि मेरा प्राथमिक ध्यान मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। जहां हमारा लक्ष्य जमीनी स्तर पर ही स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए मजबूत कौशल विकास कार्यक्रम चलाने और कुटीर उद्योग को पुनर्जीवित करना है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का विकास करना, स्वास्थ्य सुविधाएं और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा मेरे फोकस क्षेत्र (प्रमुख ध्यान देने योग्य क्षेत्र) होंगे।

किए हैं, इस दौरान इन्होंने अपने कार्यों से अपनी एक अलग साख और विश्वास को बनाया है, इसलिए ये राज्य की राजनीति के लिए कोई अपरिचित चेहरा नहीं थे। निर्दलीय प्रत्याशी होने के कारण इनके लिए झारखंड के सभी 81 विधायक इनके लिए वोटर थे। विधायकों ने राज्यहित और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को सर्वोपरि रखते हुए पूरे विवेक से अपने मत का सदुपयोग किया है। ये पहले भी अच्छे सांसद साबित हुए हैं और आगे भी अच्छे सांसद साबित होंगे।

वहीं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि यह जीत एनडीए की एकजुटता और मजबूत संगठन का परिणाम है। एकता और संगठन की शक्ति जब संकल्प के साथ आगे बढ़ती है, तो हर लक्ष्य आसान हो जाता है। एकजुट प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि परिमल नाथवानी अपने अनुभव और जनसेवा के संकल्प के साथ झारखंड एवं देशहित में निरंतर कार्य करेंगे।

परिमल नाथवानी को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, संजय सेठ, जदयू विधायक सरयू राय, लोजपा प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान सहित अन्य नेताओं ने भी जीत की बधाई दी है।

राजद और भाकपा ने पैसे लेकर की वोटिंग : के राजू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा है कि राज्यडसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वामदल ने धोखा दिया है। उन्होंने गुरुवार को झारखंड विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजद और वामदल के विधायकों ने पैसा लेकर एनडीए समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में वोटिंग की है। के राजू ने कहा कि प्रणव झा को कांग्रेस के सभी 16 विधायकों का वोट मिला। इस परिणाम का सरकार की सेहत पर असर को लेकर के राजू ने कहा कि भविष्य में इस विषय को देखा जाएगा। साथ ही कहा कि सरकार में रहने को लेकर समीक्षा की जाएगी। वहीं मौके पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी कहा है कि राजद और वामदल के विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की आशंका है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश प्रभारी ने ऐसा बयान दिया, तो सही कहा होगा।

दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट थे। झामुमो का पर्याप्त सहयोग मिला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 04 मत का वादा किया था और वह हमें मिला है। दीपिका पांडेय सिंह ने दावा किया कि झामुमो के विधायकों के द्वितीय प्राथमिकता का वोट भी कांग्रेस को मिला। दीपिका पांडेय सिंह चुनाव परिणाम का असर सरकार पर पडने के सवाल पर

कहा कि यह कहना जल्दीबाजी होगी, लेकिन मंथन तो होगा। उन्होंने कहा कि सारी रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जाएगी और इसकी समीक्षा होगी।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी के राजू के बयान पर कहा कि पार्टी प्रभारी ने अपने स्त्रोत के हिसाब से बयान दिया होगा। उन्होंने कहा कि वे किसी जल्दीबाजी में कोई बात नहीं कहना चाहते। वे पहले आश्वस्त होना चाहेंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि सरकार में शामिल रहना है कि नहीं, इसकी समीक्षा जरूर होगी।

उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन के पास स्वाभाविक रूप से 56 विधायकों का समर्थन था। झारखंड मुक्ति मोर्चा के 34, कांग्रेस के 16, राजद के 04 और वामदल के 02 विधायक थे। झामुमो ने दावा किया था कि उनके पास 61 विधायकों का समर्थन है। कांग्रेस पार्टी भी प्रणव झा की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही थी। हालांकि, परिणाम कांग्रेस के लिए चौंकाने वाला रहा।

झारखंड में मिशन परिवार विकास अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) झारखंड के तहत गुरुवार को मिशन परिवार विकास अभियान 2026 के प्रथम चरण का राज्यव्यापी शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत राज्य के सभी जिलों में उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर विशेष जागरूकता एवं परिवार नियोजन गतिविधियों का आयोजन किया गया।

एनएचएम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अभियान के दौरान एएनएम, सहिया, सहिया साथी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने योग्य दम्पतियों और समुदाय के लोगों को परिवार नियोजन के महत्व की जानकारी दी।

इसके साथ ही अस्थायी एवं स्थायी गर्भनिरोधक साधनों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन सेवाओं के संबंध में परामर्श प्रदान किया गया। जरूरतमंद लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना, जन्म के बीच उचित अंतराल को बढ़ावा देना तथा परिवारों को स्वस्थ और योजनाबद्ध जीवन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है।

जिसके तहत नवविवाहित दम्पतियों, किशोर-किशोरियों एवं प्रजनन आयु वर्ग के लोगों को सही समय पर विवाह, पहले बच्चे के जन्म में उचित अंतराल तथा दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर रखने के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने आमजन से परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उठाकर स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल परिवार निर्माण में सहभागिता निभाने की अपील की है।

विशेष शिक्षा सहायक शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा लागू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से आयोजित कंप्यूटर आधारित झारखंड इंटरमीडिएट और स्नातक प्रशिक्षित विशेष शिक्षा सहायक शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर प्रशासन ने परीक्षा केंद्र के आसपास निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर रांची कुमार रजत ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत परीक्षा केंद्र के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की है। यह आदेश 22 जून से 24 जून 2026 तक प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे से रात 8.30 बजे तक प्रभावी रहेगा। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के संयुक्त आदेश पर परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारियों और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशासन को आशंका है कि असामाजिक तत्व भीड़ एकत्र कर परीक्षा संचालन में बाधा डालने का प्रयास कर सकते हैं। निषेधाज्ञा के तहत पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग, हथियार लेकर चलने एवं किसी भी प्रकार की सभा या बैठक आयोजित करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश रांची के इरबा स्थित आई क्यूब डिजिटल, मेडांटा अस्पताल के निकट स्थित परीक्षा केंद्र पर लागू रहेगा। प्रशासन ने अभ्यर्थियों और आम नागरिकों से आदेश का पालन करने और परीक्षा के सुचारू संचालन में सहयोग करने की अपील की है।

इंडिया गंठबंधन की खुल गई पोल : सुदेश

रांची : आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने एनडीए समर्थित प्रत्याशी श्री परिमल नाथवानी को झारखंड से राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि श्री नाथवानी की जीत और कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा की हार से मौकापरस्त इंडिया गंठबंधन की पोल खुल गई। कांग्रेस में जरा भी स्वाभिमान बचा है तो वह सरकार से बाहर जाकर दिखाए।

श्री महतो ने कहा कि श्री नाथवानी के व्यापक अनुभव, दूरदर्शी सोच एवं जनहित के प्रति समर्पित कार्यशैली से झारखंड की आवाज संसद में और अधिक प्रभावशाली ढंग से उठेगी। उनके नेतृत्व एवं योगदान से राज्य के विकास, उद्योग, रोजगार और जनकल्याण के मुद्दों को नई मजबूती मिलेगी।

योग कार्यशाला में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, स्वास्थ्य और संतुलित जीवन पर दिया गया जोर

बिभा संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व जनजागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को हरमू रोड स्थित डैन्सपिरेशन स्टूडियोज में एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डैन्सपिरेशन स्टूडियोज और बंका मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बंका

मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी दीपक बंका ने कहा कि आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जीवनशैली में बढ़ता मानसिक तनाव योग को अत्यंत आवश्यक बनाता है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है।

कार्यशाला में प्रतिभागी महिलाओं को पर्वतासन, भुजंगासन, वीरभद्रासन, बालासन और ताड़ासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण का संचालन डैन्सपिरेशन स्टूडियोज के निदेशक अभिषेक कुमार, कविता कुमारी तथा मुख्य प्रशिक्षक खुशी कुमारी और अनूप कुमार की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में बंका मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी दीपक बंका, दीप कूट्योर बुटीक की संचालिका दीपा बंका, डैन्सपिरेशन स्टूडियोज के निदेशक अभिषेक कुमार, कविता कुमारी, आशुतोष द्विवेदी, अमित कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना
ई-निविदा नोटिस सं0-22 ऑफ 2026-27/ खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती हैं। **(1) कार्य का नाम एवं लोकेशनः** निविदा सं0–10–डीडीयू–व0मं0 इंजी0–III–26–27 जपला स्टेशन पर प्लेटफार्म को ऊंचा और विस्तारित करना तथा दिव्यांगजनों के लिए अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना। **(2)कार्य का अनुमानित लागतः** रु. 52707232.68 **(3)धरोहर राशिः** रु.1054200.00 **(4)ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः** 10.07.2026 को 12:00 बजे तक **(5)बेवसाईट पर ई निविदा की विस्तृत जानकारीः www.ireps.gov.in नोट–**विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, डीडीयू

पीआर/0402/डीडीयू/ईएनजीजी/टी/26–27/24

बेरमो के फुसरो में भूमिगत आग से सड़क धंसी, सैकड़ों परिवार दहशत में

बिभा संवाददाता

बेरमो (बोकारो)। फुसरो स्थित पांच नंबर धौड़ा में अचानक जमीन धंसने की घटना ने इलाके के निवासियों को दहशत में ला दिया। गुरुवार को तेज आवाज के साथ सड़क का एक भाग धंस गया। घटना के समय लोग घरों से बाहर निकल आए; कई माताओं ने बच्चों को गोद में उठाकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागना शुरू कर दिया। बुजुर्ग और बच्चे दहशत से भयभीत दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आगे भी जमीन के नीचे धंसान होता रहा तो उनके घरों और जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

घटना स्थल के पास ही कई स्थानों से धुआं उठता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि धरती के नीचे आग लंबे समय से सुलग रही है और आज का धंसान उसी समस्याग्रस्त स्थिति का नतीजा माना जा रहा है। सड़क के दोनों ओर जमीन के अंदर आग जलती रहती है, जिसके कारण आसपास की आबादी और औद्योगिक गतिविधियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। घटना स्थल चिंताजनक रूप से सीसीएल की प्रमुख परिवहन मार्ग के नजदीक है, जो क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती है और जिससे प्रतिदिन कोयला परिवहन होता है।

स्थानीय प्रशासन और सीसीएल के अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का आंकलन कर रहे हैं। बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा ने बताया कि भूमिगत आग के कारण यह धंसान हुआ है। सुरक्षा के लिहाज से उस मार्ग पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है। उपायुक्त ने बताया कि वहां तत्काल एसडीओ, सीओ, सीसीएल के अधिकारी और रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि की संयुक्त निरीक्षण टीम भेजी गई है। सीसीएल को भी वहां निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं और उन्हें 48 घंटे के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। तब तक भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है और यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जा रही है।

प्रशासन का कहना है कि फुसरो बाजार होकर जाने वाला वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जा रहा है ताकि आम जनता को असुविधा न हो। उपायुक्त ने उम्मीद जताई कि तीन-चार दिन में वही मार्ग चालू कर दिया जाएगा। बावजूद इसके स्थानीय लोगों में चिंता बरकरार है कि क्या यह अस्थायी इंतजाम काफी होंगे। वे स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं ताकि भविष्य में बड़े हादसे की आशंका बनी न रहे।

विशेषज्ञों और स्थानीय नेताओं का कहना है कि झरिया में वर्षों पहले जो भूमिगत आग की समस्या सुर्खियों में आई थी, आज उसी प्रकार की चेतावनी बेरमो से भी सुनाई दे रही है। उन्होंने आग के स्थायी निदान, गहरी जमीन के सर्वेक्षण और प्रभावित परिवारों के लिये दीर्घकालिक पुनर्वास योजनाओं पर तत्काल काम शुरू करने की प्रशासन से अपील की है। स्थानीय निवासी आशंका जता रहे हैं कि यदि आग का दायरा बढ़ता रहा और धंसान की घटनाएँ जारी रहीं तो घनी आबादी के लिए गंभीर परिणाम संभव हैं।

प्रशासन ने फिलहाल प्रभावित इलाके में सुरक्षा व निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से अपील की है कि वे क्षत्रिया क्षेत्रों के निकट न पहुंचें। सीसीएल तथा संबंधित विभागों की अगली कार्रवाई और निरीक्षण रिपोर्ट के बाद ही किसी दीर्घकालिक कदम की घोषणा की जाएगी।

बोकारो सदर अस्पताल का आईसीयु जेनरल से बदतर, नाम के लगें हैं एसी और पंखें

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सदर अस्पताल का आईसीयु वार्ड की स्थिति भगवान भरोसे चल रहा है, इलाज करा रहे मरीज के परिजनों ने कहा आईसीयू की स्थिति जेनरल वार्ड से भी बदतर है। आईसीयू वार्ड में इलाजरत मरीज के परिजन जगरनाथ यादव ने कहा कि यहां सुविधाओं की घोर कमी है. यहां बीमारी के हिसाब से डॉक्टर समय पर उपलब्ध नहीं रहते है. कमरे में लगी एसी भी खराब पड़ी है.इन चीजों को व्यवस्थित करने को लेकर किसी का ध्यान नहीं है, जो चिंता का विषय है.

बालीडीह निवासी जगरनाथ यादव ने बताया की 12 जून को उन्होंने अपने पिता को सदर अस्पताल में भर्ती कराया. इन तीन-चार दिनों में एक बार डॉक्टर को आते हुए देखा. सिस्टर में बैठे लोगों को कहने पर डॉक्टर को भेजने का सिर्फ आश्वासन मिलता है. वहीं, कमरे में लगे एसी खराब पड़े है. एसी के अलावा पंखे लगे हैं, वो कछुआ से भी धीमी चाल में चलती है. आईसीयू से बेहतर स्थिति तो जेनरल वार्ड की है.

वही, महिमा कुमारी ने बताया की आईसीयु की स्थिति बहुत खराब है. आईसीयू सिर्फ नाम के लिये है, न एसी चलता है और न पखा चलता. मम्मी (मरीज) पूरा पसीने से भर जाती है. रात में कोई सिस्टर नहीं रहती है. रात में कई बार बुलाने पर एक बार आती है. कहा कि हमलोग चाहते है कि इमरजेंसी को देखते हुए यहां हर समय सिस्टर और डॉक्टर उपलब्ध रहे. कहा कि यहां जितनी बार अलग-अलग डॉक्टर आते हैं, उतने तरह की बात व सलाह परिजनों को सुनने को मिलता है, जिससे परिजन कंफ्यूज हो जाते हैं.

संक्षिप्त खबरें

राज्यसभा चुनाव में विजयी होने पर बिरंजी नारायण ने परिमल नाथवानी को दी बधाई

बोकारो(बिभा)। राज्यसभा चुनाव में भाजपा समर्थित एनडीए प्रत्याशी परिमल नाथवानी की शानदार विजय होने पर बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने परिमल नाथवानी को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत जनता के विश्वास और पार्टी के प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व के कुशल संगठनात्मक क्षमता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की एनडीए सरकार के विकासोन्मुखी सोच का प्रमाण है। झारखंड की प्रगति, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए आपके संसदीय अनुभव से झारखंड को नई दिशा मिलेगी। हमें विश्वास है कि राज्यसभा में आप झारखंड की आवाज को मजबूती से रखेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत‍श्च के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। इस ऐतिहासिक जीत पर बिरंची नारायण ने भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के साथ सभी विधायक को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत झारखंड के हित में मील का पत्थर बनेगा।

सेक्टर-9ए में अतिक्रमण पर चला हथोड़ा , बीएसएल टीए विभाग की कार्रवाई

बोकारो(बिभा)। बोकारो में गुरुवार को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के टाउन एडमिनिस्ट्रेशन (टीए) विभाग ने बुधवार को सेक्टर-9ए स्थित बिहारी होटल के पास अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया। विभाग की टीम होम गॉर्ड बल की मौजूदगी में मौके पर पहुंची और निर्धारित क्षेत्र में किए गए अवैध निर्माण को तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित रखा। टीए विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बीएसएल की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व में संबंधित पक्ष को नोटिस भी जारी किया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण की वजह से क्षेत्र में आवाजाही और अन्य सुविधाओं पर असर पड़ रहा था। विभाग की इस कार्रवाई से आसपास के निवासियों ने संतोष व्यक्त किया है। बीएसएल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से सरकारी एवं बीएसएल की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं करने की अपील की है।

कसमार में किशोरियों के लिए एसआरएचआर एवं स्वास्थ्य प्रशिक्षण आयोजित, सशक्तिकरण का लिया संकल्प

कसमार (बोकारो) (बिभा): सहयोगिनी संस्था द्वारा प्रखंड के खैराचातर तथा टांगटोना पंचायत में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लिए रफ्ऌफ(यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार) और स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक कर उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक कुमारी मंजू ने किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक व मानसिक परिवर्तनों, मासिक धर्म स्वच्छता, सही पोषण, एनीमिया की रोकथाम और व्यक्तिगत स्वच्छता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सही समय पर सही जानकारी ही युवाओं को सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने नशामुक्ति का आह्वान करते हुए किशोरियों से तंबाकू और शराब जैसी कुरीतियों के खिलाफ समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के 19 गांवों में किशोरी नेतृत्व क्षमता विकास को लेकर लगातार जमीन पर काम कर रही है। प्रशिक्षण के अंत में उपस्थित किशोरियों ने अपने-अपने गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने, बाल विवाह रोकने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस मौके पर सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी, पुष्पा देवी सहित पायल कुमारी, टीना कुमारी, वर्षा कुमारी, मायावती कुमारी, गुलाबी कुमारी, श्वेता कुमारी, सुधा कुमारी, न्यासा कुमारी, किरण देवी और भारी संख्या में स्थानीय किशोरियां व महिलाएं उपस्थित थीं।

आर्ट ऑफ लिविंग ने सेक्टर-4 में योग सेंटर का उद्घाटन किया, उपायुक्त ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो। आर्ट ऑफ लिविंग, बोकारो चैप्टर ने गुरुवार को सेक्टर-4 स्थित आर्ट ऑफ लिविंग योग सेंटर का औपचारिक उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। बैंगलोर आश्रम से आए ब्रह्मचारी योगीराज ने उपस्थित लोगों के लिए योग एवं ध्यान सत्र कराया और योग के फायदों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरूआत धन्वी जिंदल नामक बालक द्वारा उपायुक्त अजय नाथ झा का आरती-तिलक कर सत्कार कर अभिवादन से हुई। उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार और तनावों के मध्य योग की आवश्यकता अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि योग अब केवल आसन तक सीमित नहीं रहा बल्कि यह शरीर, मन और भावनाओं का संतुलन स्थापित करने वाली एक संपूर्ण जीवनशैली बन चुका है। उपायुक्त ने युवाओं में बढ़ते दबाव, एकाग्रता की कमी और मानसिक असंतुलन पर चिंता व्यक्त की और बताया कि योग, प्राणायाम और ध्यान से एकाग्रता बढ़ती है तथा बच्चों में शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है।

संयोजक प्रवक्ता संजय सोनी ने कहा कि गुरूजी के आशीर्वाद से शिक्षक योग के माध्यम से लोगों को तनाव-मुक्त जीवन जीने की कला सिखा कर समाज को सशक्त कर रहे हैं। बिनोद गुप्ता ने बताया कि सेंटर में निशुल्क काउंसलिंग की भी व्यवस्था की गई है, जिससे आम लोगों को लाभ मिलेगा।

उपस्थित लोगों ने उपायुक्त अजय नाथ झा का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। प्रशिक्षु आईएएस अरबिंद का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में रितु जिंदल, रेखा चौधरी, ऋतिका शुक्ला, वर्षा सिन्हा, दब्बू कुमार, गोदावरी, सिमी मोहंती, निताशी, शिव कुमार जिंदल, दीपमाला समेत आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि सेंटर समय-समय पर योग, ध्यान और काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित करेगा ताकि स्थानीय लोगों का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सके।

बैंक कर्ज दिलाने के नाम पर ठगी करने वाली महिला गिरफ्तार, जेल भेजी गई

बिभा संवाददाता

बोकारो। चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम चुट्टे की रहने वाली जीव कुमारी (33) को पुलिस ने बैंक से कर्ज दिलवाने और कर्ज वापसी के लिए बैंक में रकम जमा कराने के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला चतरोचट्टी थाना में 12 अप्रैल को दर्ज प्राथमिकी संख्या 70/2026 के तहत दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्ता लंबे समय से लोगों को बैंक कर्ज दिलाने का झांसा देकर उनसे रकम ऐंठती थी। शिकायत में बताया गया कि अभियुक्ता रियायती या चुना-प्रथा के नाम पर लोगों से लगभग चार सौ रुपये तक वसूलती रहती थी। जांच के दौरान अभियुक्ता फरार थी।

गुप्त सूचना के आधार पर चतरोचट्टी पुलिस ने छापेमारी कर रामगढ़ जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र स्थित बासल (रामगढ़) टोल प्लाजा के समीप से जीव कुमारी को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

यह कार्रवाई चतरोचट्टी थाना प्रभारी पुअनि कन्दन कुमार यादव के नेतृत्व में की गई। टीम में आरक्षी बिपिन नंदा हांसदा, अजय महतो, किशोर कुमार महतो तथा महिला चौकीदार खुशबू कुमारी, तीजो कुमारी और विभा हांसदा शामिल रहे। पुलिस मामले की और जांच कर रही है और किसी भी अन्य संबंधित व्यक्ति के संलिप्त की छानबीन कर रही है।

पति की मारपीट से त्रस्त महिला ने प्रशासन से लगाई गुहार

बिभा संवाददाता

बोकारो : धनबाद जिले के तारगा, पोस्ट खाखी भार (मुहुदा) निवासी रीता कुमारी ने अपने पति उमेश बाउरी (पिताझ्ञ मुटुक बाउरी), निवासी चौरा बस्ती, पिंडाजोड़ा थाना क्षेत्र पर शराब के नशे में लगातार मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता चास महिला थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने गई।

रीता कुमारी ने बताया कि उनकी शादी कुछ वर्ष पूर्व बोकारो जिले के चौरा बस्ती निवासी उमेश बाउरी के साथ हुई थी। पिछले कुछ समय से उसका पति नशे की हालत में लगातार उसके साथ मारपीट कर रहा है। मामले को लेकर पारिवारिक स्तर पर कई बार समझौते का प्रयास किया गया, लेकिन उसके पति के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसकी सास उषा देवी एवं ससुर मुरून बाउरी पति का समर्थन करते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। रीता कुमारी ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर पति एवं ससुराल पक्ष के साथ न्यायसंगत समाधान कराने की मांग की है, ताकि वह सुरक्षित और शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन जी सके। साथ ही, उसने मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए सुरक्षा और न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

वहीं, चास महिला थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता का आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को बुलाकर परामर्श के माध्यम से समाधान का प्रयास किया जाएगा, साथ ही आरोपी को नशे से दूर रहने की भी सख्त हिदायत दी जाएगी।

बीपीएससीएल में संविदा कर्मी की मौत के बाद बीजीएच में हंगामा, नौकरी और मुआवजे की मांग

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो पावर सप्लाई कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (बीपीएससीएल) के कोल हैंडलिंग प्लांट में कार्यरत एक संविदा कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद बुधवार को बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में जमकर हंगामा हुआ। मृतक की पहचान 30 वर्षीय शिव शंकर हेम्ब्रम के रूप में हुई है, जो प्लांट में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था।

घटना के बाद मृतक के परिजन और मजदूर बड़ी संख्या में बीजीएच पहुंच गए और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे के कारण अस्पताल परिसर में आवागमन प्रभावित हो गया और मरीजों तथा अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सिटी डीएसपी राजीव रंजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। मृतक के परिजनों ने बीपीएससीएल में स्थायी नौकरी और उचित मुआवजे की मांग उठाई है।

प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का आरोप है कि शिव शंकर हेम्ब्रम की मौत शॉर्ट सर्किट की वजह से हुई। उनका कहना है कि प्लांट के एक पाइप के अंदर भीषण गर्मी के बीच उनसे काम कराया जा रहा था, जिसके दौरान यह हादसा हुआ।

हालांकि, अभी तक मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, इस घटना को लेकर बीपीएससीएल प्रबंधन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कोल परियोजना व रेलवे लाइन से प्रभावित ग्रामीणों ने की ग्रामसभाः रोजगार, पुनर्वास व बुनियादी सुविधाओं की उठीं मांगें

बिभा संवाददाता

बोकारो । कोल परियोजना, एमडीओ के कार्य और नई रेलवे लाइन निर्माण से प्रभावित रैयतों, किसानों और ग्रामीणों की एक विशाल ग्रामसभा 17 जून 2026 को संपन्न हुई। ग्रामसभा की अध्यक्षता डोमन महतो ने की, जबकि चैतलाल प्रसाद महतो ने समापन संचालन संभाला। बैठक में बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिलाएं मौजूद रहीं और परियोजना के कारण हुई जमीन, आजीविका व सामाजिक व्यवथाओं पर तीखी चिंता व्यक्त की गई। ग्रामसभा में प्रस्तुत विचारों में कहा गया कि परियोजना से प्रभावित परिवारों को अपेक्षित रोजगार, मुआवजा और पुनर्वास नहीं मिला है, जिससे उनकी जीवनयापन की क्षमता प्रभावित हुई है। वक्ताओं ने स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने, प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा व पुनर्वास तथा इलाके में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के त्वरित विकास की मांग दोहराई।

बैठक को संबोधित करने वालों में राजन करमाली, हेमलाल रजवार, नन्कू महतो, आकाश करमाली, शांति देवी, प्रवीण महतो (पचमो), सीताराम महतो, जीतू करमाली, हीरालाल महतो, जालेश्वर महतो (जमनीजारा), सुरेश महतो, रोहन राम, बुधन महतो, राधिका देवी, रुकमणि देवी, प्रवीण कुमार (हुड़दाग), धनेश्वर महतो (जमनीजारा) और गणेश कुमार प्रमुख हैं। वक्ताओं ने कहा कि ‍श्पपरियोजना प्रभावित ग्रामीणों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगीश्‍ और चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानीं गईं तो संवैधानिक व लोकतान्त्रिक तरीकों से व्यापक जनआंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।ग्रामसभा में सर्वसम्मति से पारित प्रमुख प्रस्ताव,परियोजना एवं एमडीओ के सभी कार्यों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्थायी रोजगार दिया जाए।

प्रभावित रैयतों एवं विस्थापित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा, पुनर्वास एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। परियोजना प्रभावित गांवों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए। ग्रामसभा की सहमति एवं स्थानीय जनता के अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए। प्रभावित परिवारों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएं। स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन, कंपनी प्रबंधन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ शीघ्र वार्ता की जाए।

ग्रामसभा में उपस्थित ग्रामीणों ने पास किए गए प्रस्तावों का समर्थन हस्ताक्षर व अंगूठा निशान के माध्यम से किया। घटना स्थल पर डोमन महतो, चैतलाल प्रसाद महतो, तिरेश्वर महतो, भूपेन्द्र कुमार महतो, बटेश्वर कुमार महतो, जितेन्द्र कुमार, निशांत कुमार, नीरज कुमार, संतोष कुमार महतो, जानेश्वर महतो, प्रयाग महतो, गणेश कुमार, साहिल कुमार, अजय कुमार, उषा कुमारी देवी, इन्दु देवी, रतनिया देवी, प्रमिला देवी, दुर्गावती देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामसभा के आयोजकों ने प्रशासन, परियोजना प्रबंधन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र संवाद कर समाधान निकालने का आग्रह किया है। स्थानीय नेताओं का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई न हुई तो वे आगे संवैधानिक रूप से मजबूती के साथ आंदोलन करेंगे।

उपायुक्त ने राजकीयकृत मध्य विद्यालय किस्को का किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने गुरुवार 18 जून को राजकीयकृत मध्य विद्यालय, किस्को का निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा छह में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा उनसे पढ़ाई-लिखाई, शिक्षण व्यवस्था एवं विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त ने विद्यालय की पाकशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मध्याह्न भोजन के निर्धारित मेनू, भोजन की गुणवत्ता एवं पाकशाला में कार्यरत कर्मियों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि बच्चों को निर्धारित मेनू के अनुसार भोजन, खिचड़ी एवं सब्जी उपलब्ध कराई जाए तथा पाकशाला एवं विद्यालय परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रथम एवं द्वितीय कक्षा के बच्चों से बातचीत कर उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा शिक्षण कार्य की गुणवत्ता का आकलन किया। उपायुक्त ने विद्यालय के आईसीटी लैब का निरीक्षण करते हुए लैब संचालन, विद्यार्थियों को दी जा रही कंप्यूटर शिक्षा तथा पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित शिक्षकों से पूछा कि किस कक्षा के विद्यार्थियों को किस समय आईसीटी आधारित शिक्षा दी जाती है तथा निर्धारित पाठ्यक्रम का अनुपालन किस प्रकार किया जा रहा है। बताया गया कि कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को आईसीटी लैब के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विद्यालय परिसर स्थित पुराने मध्य विद्यालय भवन का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने जर्जर एवं अनुपयोगी भवन को हटाने हेतु भवन प्रमंडल को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही भवन में उपलब्ध सामग्री का नियमानुसार निष्पादन (डिस्पोजल) सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालय के सामने स्थित भूमि का भी अवलोकन किया तथा उसे प्रखंड स्तरीय फुटबॉल मैदान के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छ वातावरण एवं आधुनिक शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर पीडी आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार व अन्य उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमन्त सती ने गुरुवार कोलघट्टी स्थित ईवीएम वेयरहाउस का राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा अभिलेख संधारण की स्थिति की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, सीसीटीवी कैमरों की सतत कार्यशीलता सुनिश्चित करने, रिकॉर्डिंग का नियमित बैकअप लेने तथा निरीक्षण रजिस्टर का अद्यतन संधारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने वेयरहाउस में अनाधिकृत प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध एवं सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने पर बल दिया।निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में निशार खान, ऋषि शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, शुभम कुमार राणा, गणेश कुमार सीटू एवं शशि कुमार सिंह उपस्थित रहे। साथ ही कनीय अभियंता, भवन प्रमंडल तथा निर्वाचन विभाग के अजय कुमार, दीपक दास सहित अन्य संबंधित कर्मी भी मौजूद थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने चाहा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार चलाये जा रहे 'डोर टू डोर' कैंपेन के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ग्राम चाहा मे किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकर, रामगढ़, मो. तौफीकुल हसन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ अनिल कुमार के मार्गदर्शन मे किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना था।

इस अवसर पर उपस्थित एलएडीसी असिसटेन्ट अभिनव कुमार द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जाति, द्वियांग, मानसिक रोगि तथा अन्य कमजोर वर्गों के अधिकारों एवं संरक्षण संबंधी विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। बाल विवाह निषेध, मानव तस्करी की रोकथाम, नशा मुक्ति, घरेलू हिंसा से संरक्षण तथा सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में भी जागरूक किया गया।

ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार से संपर्क करने तथा नालसा की योजनाओं का लाभ उठाने
हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम मे अधिकार मित्र आशा कुमारी, फुर्तिलाल महतो एवं निरंजन कुमार मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यसभा सदस्य बनने पर बैद्यनाथ राम को प्रखंड सचिव एहसान अंसारी ने दी बधाई

लातेहार(बिभा)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के लातेहार प्रखंड सचिव एहसान अंसारी ने बैद्यनाथ राम के राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि बैद्यनाथ राम का राज्यसभा पहुंचना झारखंड के लिए सम्मान और गर्व का विषय है। इससे राज्य की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से रखने का अवसर मिलेगा।एहसान अंसारी ने कहा कि बैद्यनाथ राम लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सक्रिय रहे हैं। उनके अनुभव, कार्यकुशलता और जनहित के प्रति समर्पण का लाभ अब राज्यसभा में भी देखने को मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वे झारखंड की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को मजबूती से उठाएंगे। उनके राज्यसभा सदस्य बनने से पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

आज मनाई जाएगी श्रुत पंचमी, जिनवाणी और शास्त्र संरक्षण का पर्व : मंजू छाबड़ा

हजारीबाग(बिभा)ा : दिगंबर जैन समाज में ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन मनाया जाने वाला पावन पर्व श्रुत पंचमी श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जैन समाज के लोग भगवान महावीर की वाणी स्वरूप जिनवाणी एवं शास्त्रों की पूजा-अर्चना कर ज्ञान परंपरा को नमन करेंगे। मंजू छाबड़ा ने बताया कि श्रुत पंचमी जैन धर्म में शास्त्रों के संरक्षण और ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण पर्व है। लगभग 2000 वर्ष पूर्व आचार्य धरसेन ने पुष्पदंत और भूतबलि मुनियों को भगवान महावीर के उपदेशों का ज्ञान प्रदान किया था। उस समय आगम ज्ञान मौखिक परंपरा से सुरक्षित रखा जाता था, लेकिन समय के प्रभाव से ज्ञान के लुप्त होने की संभावना को देखते हुए इसे लिखित रूप देने की आवश्यकता महसूस हुई।

मारवाड़ी भजन एवं लोकगीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन 22 जून को

हजारीबाग(बिभा) : मारवाड़ी भाषा, लोक संस्कृति और पारंपरिक संगीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हजारीबाग में मारवाड़ी भजन एवं लोकगीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 22 जून 2026 को जैन धर्मशाला, बड़ा बाजार, हजारीबाग में किया जाएगा।यह आयोजन नारी शक्ति शाखा एवं फोर्ट लाइन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। इसमें प्रतिभागी मारवाड़ी भजन, लोकगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी कला एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पदाधिकारियों ने बताया की मारवाड़ी भाषा और लोकगीत हमारी पहचान एवं समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजन बेहद जरूरी हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और लोक परंपराओं को आगे बढ़ाना है।

सिंगल यूज पॉलीथिन और प्लास्टिक डिस्पोजल पर नगर निगम की सख्ती, दुकानदारों से इस्तेमाल बंद करने की अपील

हजारीबाग(बिभा) : आगामी मानसून को देखते हुए नगर निगम द्वारा शहर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त अनिल कुमार ने सब्जी मंडी सहित अन्य व्यवसायिक क्षेत्रों के दुकानदारों से सिंगल यूज पॉलीथिन का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सब्जी मंडी की दुकानों में यदि किसी भी प्रकार की सिंगल यूज पॉलीथिन मौजूद है तो उसे तत्काल हटा दें। पॉलीथिन के कारण नालियों के जाम होने और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समस्या बढ़ती है। सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में प्लास्टिक डिस्पोजल ग्लास के उपयोग पर भी प्रतिबंध है। दुकानदारों और आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्लास्टिक की जगह पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा समय-समय पर जांच अभियान चलाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रेशमी मेटालिक्स में नौकरी की मांग को लेकर आंदोलन तेज, अनिश्चितकालीन बंद की घोषणा

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा : चकला-बाना स्थित रेशमी मेटालिक्स कंपनी में स्थानीय मैनपावर मजदूरों एवं रैयतों का आंदोलन लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। नौकरी एवं पूर्व में किए गए आश्वासनों को पूरा करने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे मजदूरों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अब आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया है।धरनास्थल पर आयोजित बैठक में आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन स्थानीय रैयतों और वर्षों से कार्यरत मैनपावर मजदूरों की उपेक्षा कर रही है। उनका कहना है कि भूमि अधिग्रहण और रोजगार देने के नाम पर किए गए वादों को आज तक पूरा नहीं किया गया है, जिससे प्रभावित परिवारों में भारी नाराजगी है।आंदोलनकारियों के अनुसार,

कंपनी के वाइस-प्रेसिडेंट पी.सी. जोशी ने मजदूर प्रतिनिधियों के साथ लगभग चार घंटे तक वार्ता की। इस दौरान विभिन्न मांगों पर चर्चा हुई, लेकिन वार्ता किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी।मजदूरों का कहना है कि जब तक सभी पात्र स्थानीय रैयतों एवं मैनपावर कर्मियों को रोजगार नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।बैठक में आंदोलन समिति के अध्यक्ष ने घोषणा करते हुए कहा कि कंपनी प्रबंधन द्वारा सकारात्मक पहल नहीं किए जाने के कारण अब आंदोलन को निर्णायक चरण में ले जाया जाएगा।उन्होंने कहा कि शुक्रवार से कंपनी के संपूर्ण कार्यों को बंद करवाने का अभियान चलाया जाएगा तथा सभी प्रभावित लोग एकजुट होकर कार्य बहिष्कार करेंगे।उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक रोजगार से संबंधित मांगों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं होगा।धरनास्थल पर मौजूद मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के एक अधिकारी अनूप मुखर्जी द्वारा के मैनपावर मजदूरों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया तथा अपशब्दों का प्रयोग किया गया।आंदोलनकारियों ने इसे मजदूरों के सम्मान पर हमला बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई।उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में कंपनी की ओर से स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।मजदूर नेताओं ने कहा कि स्थानीय लोगों के सहयोग और संसाधनों के बल पर स्थापित उद्योग में क्षेत्र के लोगों को ही रोजगार से वंचित रखा जा रहा है, जो न्यायसंगत नहीं है।उन्होंने जिला प्रशासन से भी मामले में हस्तक्षेप कर वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने की मांग की।हैधरना-प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में रैयत, मैनपावर कर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे।आंदोलनकारियों ने एक स्वर में कहा कि यह लड़ाई रोजगार, सम्मान और अधिकार की है तथा मांगें पूरी होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

उपायुक्त ने परहेपाट पंचायत में गोबरधन योजना का किया निरीक्षण, संचालन को और सुदृढ़ बनाने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने गुरुवार को किस्को प्रखंड अंतर्गत परहेपाट पंचायत के जनवल गांव में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत संचालित गोबरधन योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजना से जुड़े लाभुकों से बातचीत कर योजना से प्राप्त हो रहे लाभों एवं संचालन व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में लाभुकों ने बताया कि गोबरधन संयंत्र के माध्यम से उत्पादित बायोगैस का लाभ गांव के 15 घरों को उपलब्ध कराया जा रहा है। उपायुक्त ने लाभुकों से योजना के प्रभाव, उपयोगिता एवं संचालन से संबंधित अनुभवों की जानकारी प्राप्त की।

संयंत्र के ऑपरेटर ने उपायुक्त को बताया कि प्रतिदिन प्रातः 5:00 बजे से 6:30 बजे तक लगभग डेढ़ घंटे गैस की आपूर्ति की जाती है। साथ ही बताया गया कि संयंत्र की क्षमता प्रतिदिन लगभग 1500 किलोग्राम जैविक अपशिष्ट के प्रसंस्करण की है। उपायुक्त ने योजना के संचालन, रखरखाव एवं सामुदायिक सहभागिता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक समन्वयक को समिति का बैंक खाता शीघ्र खोलने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि योजना के वित्तीय प्रबंधन एवं संचालन में पारदर्शिता बनी रहे।

उपायुक्त ने कहा कि गोबरधन योजना स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होने के साथ-साथ जैविक अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन भी सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना के सफल संचालन में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

सांसद ने किया विष्णुगढ़ प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर सोलर बेस्ड हाई मास्ट लाइट का विधिवत उद्घाटन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संसदीय क्षेत्र प्रवास के लगातार तीसरे दिन मांडू विधानसभा क्षेत्र के टाटीझरिया और विष्णुगढ़ प्रखंड क्षेत्र का तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विष्णुगढ़ प्रखंड के विभिन्न गांवों को विकास की नई रफ्तार देते हुए कोल इंडिया लिमिटेड के नियमित सामाजिक उत्तरदायित्व मद के तहत अपनी अनुशंसा पर अधिष्ठापित किए गए सात अलग-अलग स्थानों पर सोलर बेस्ड हाई मास्ट लाइट का विधिवत उद्घाटन किया। दौरे की शुरूआत विष्णुगढ़ प्रखंड क्षेत्र के आठ माइल चौक पर नारियल फोड़कर और फीता काटकर हाई मास्ट लाइट उद्घाटन से ही। जिसके बाद भेलवारा पंचायत के भूताही मुरगांव, ग्राम पंचायत गोविंदपुर के शिव मंदिर प्रांगण, ग्राम कुसुंभा शिव मंदिर, ग्राम पंचायत जोबर के बंदखारो, ग्राम सिमराबेड़ा पीपल पेड़ के समीप और ग्राम गाल्होबार शिव मंदिर प्रांगण में कोल इंडिया लिमिटेड के सीएसआर मद से अधिष्ठापित सोलर बेस्ड हाई मास्ट लाइटों का लोकार्पण फीता काटकर और नारियल फोड़कर किया ।

लाइटों के उद्घाटन के साथ ही सांसद मनीष जायसवाल ने भेलवारा पंचायत के ऊपरैली मुरगाँवो सहित कई गांवों में ग्रामीणों के साथ सीधा जनसंवाद किया और उनकी बुनियादी समस्याओं व स्थानीय मुद्दों से अवगत होकर उनके त्वरित निष्पादन का भरोसा दिया। इस प्रवास के दौरान धार्मिक और सामाजिक समरसता की झलक भी देखने को मिली। सांसद मनीष जायसवाल विष्णुगढ़ भास्कर सूर्य मंदिर में आयोजित श्री श्री 108 त्रिदिवात्मक लक्ष्मी नारायण यज्ञ सह देव पीपल विवाह महोत्सव में शामिल हुए और वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में सादगी से मनाया गया गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी गुरुपर्व

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : शहीदों के सरताज, पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज का पावन शहीदी गुरुपर्व रामगढ़ स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में श्रद्धा और सादगी से मनाया गया।

रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में कार्यक्रम की शुरूआत श्री अखंड पाठ साहिब की संपूर्णता के साथ शुरू हुआ। जिसमें प्रसिद्ध रागी जत्था भाई अरदासिया जी गुरबाणी शब्द-कीर्तन से संगत को निहाल किया। दोपहर 2:15 बजे अरदास, हुकमनामा साहिब और कढ़ाह

प्रसाद वितरण के बाद गुरु का अटूट लंगर चलाया गया। प्रबंधक कमेटी ने समस्त क्षेत्रवासियों व साध-संगत से गुरु-घर पहुंचकर गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने की अपील की थी। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने बताया कि यह दिन धर्म, सत्य और मानवीय स्वतंत्रता की रक्षा के लिए गुरु अर्जन देव जी द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाता है। गुरु अर्जन देव जी को सन 1606 में उस समय के मुगल शासक जहांगीर ने बड़ी ही अमानवीय यातनाएं दी लेकिन इतनी यातनाएं सहने के बाद भी गुरु महराज जी अपने सत्य के मार्ग चलते रहे गुरु अर्जन देव जी सिख धर्म के पहले शाहिद थे उन्हें लाहौर की भीषण गर्मी में गर्म तवे के ऊपर बैठा के उनके ऊपर गर्म रेत डाली गई तब भी गुरु अर्जन देव जी वाहेगुरु जी का सिमरन कर गुरु भक्ति में लीन थे कुछ दिनों तक ये यातनाएं सहने के बाद गुरु महराज जी ने रावी नदी के ठंडे जल में समाधि ले ली इतनी गर्मी में गर्म रेत उनके ऊपर डाली जाती थी जो असहनीय थी इसी लिए इस दिन ठंडे जल (छबील) का लंगर सिख समाज लगता है 18 जून को शहीदी दिवस गुरुद्वारे में बड़ी श्राद्ध और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी हैप्पी छाबड़ा महासचिव हरदीप सिंह,कुलवंत सिंह मारवाह सहित सिख समाज के बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु शामिल हुए।

सड़क हादसे में युवक की मौत, एक घायल

हजारीबाग। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र के सियरकोनी स्थित सीएम होटल के समीप एनएच-19 पर गुरुवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान रतवातारी निवासी मन्नू मुंडा के पुत्र रविनाथ मुंडा के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक का इलाज चौपारण सीएचसी में चल रहा है।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है : **ई-निविदा सूचना सं.: एम-41-3आर-डीएस-फुएल-87, कार्य का नाम:** मुरी एवं निकटवर्ती क्षेत्र में डीजल रेलइंजनों की मार्ग में/डोरस्टेप रि-फुएलिंग के लिए 12 केएल क्षमता के ऑयल टैंकर को किराए पर लेना। **कार्य का अनुमानित मूल्य (जीएसटी सहित):** रु. 15,78,240/-, **बयाना राशि :** रु. 31,600/- **ई-निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 10.07.2026 को 15.00 बजे। वेबसाइट का विवरण एवं वर्णन: www.ireps.gov.in (PR-353)

भारत से शिकागो और फिर हुगली तक : स्वामी विवेकानंद के योग संदेश की वैश्विक यात्रा

लेखक

प्रतापराव जाधव

समूचे इतिहास में, कुछ विचार सरहदों के पार जाकर समाजों को बदलते रहे हैं। योग भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, जिसकी यात्रा प्राचीन शास्त्रों से शुरू होकर वैश्विक मा-?यता तक जा पहुँची है।

योग शब्द – जो संस्कृत के मूल शब्द युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है ₹जोड़ना₹ या ₹एकत्व स्थापित करना₹- अपने भीतर दार्शनिक चिंतन और व्यावहारिक अनुशासन की एक समग्र प्रणाली समाहित किए हुए है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति (जीवात्मा) का सार्वभौमिक चेतना (परमात्मा) के साथ मिलन कराना है।

योग के प्रारंभिक बीज ऋग्वेद (लगभग 1500झ1200 ईसा पूर्व) में मिलते हैं, जहाँ तप और ध्यान जैसी अवधारणाओं का उल्लेख किया गया है। आगे चलकर इन विचारों का विकास उपनिषदों में हुआ, जिन्होंने योग के अनेक दार्शनिक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया। हालाँकि योग को उसका सर्वाधिक व्यवस्थित स्वरूप महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र (लगभग 200 ईसा पूर्वझ400 ईस्वी) ने प्रदान किया- इसमें अष्टांग योग अथवा आठ अंगों वाले मार्ग का वर्णन किया गया है, जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं।

पतंजलि के अलावा, भगवद गीता योग को जीवन जीने के गतिशील दर्शन के रूप में प्रस्तुत करती है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र की पृष्ठभूमि में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद मानव कर्तव्य, उद्देश्य और आध्यात्मिक उन्नति के विषय में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भगवद्गीता में वर्णित विभिन्न मार्गों में कर्म योग (निःस्वार्थ कर्म का मार्ग), ज्ञान योग (ज्ञान का मार्ग) और भक्ति योग (भक्ति का मार्ग) मुक्ति प्राप्ति के तीन प्रमुख पथ माने गए हैं। अतः भारत केवल योग की जन्मभूमि ही नहीं है– यह एक जीवंत सभ्यता है, जहाँ योग सहस्राब्दियों से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है, और जो इसकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा दार्शनिक संरचना का अभिन्न अंग रहा है।

हालाँकि, औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय समाज के शिक्षित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी बौद्धिक विचारधाराओं से प्रभावित होने और योग सहित भारत की अनेक पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं को बदलती आधुनिक दुनिया में अपेक्षाकृत कम प्रासंगिक माना जाने लगा। ऐसे महत्वपूर्ण समय में, स-?वामी विवेकानंद एक सशक्त स-?वर बनकर उभरे, जिन्होंने लोगों को योग के वास्तविक महत्व को फिर से जानने में मदद की।

स्वामी विवेकानंद ने अपने उपदेशों और विश्व धर्म संसद में दिए ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया का ध?यान भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकृ?ट किया और योग की शाश्वत ज्ञान-परंपरा के प्रति लोगों में नया विश्वास जगाया। उन्होंने विश्व के विभिन्न भागों के लोगों के साथ वेदांत और योग के सिद्धांत साझा किए तथा यह स्पष्ट किया कि योग केवल एक धार्मिक साधना नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत विकास, आंतरिक शांति और आत्म-विकास का मार्ग भी है। विदेशों में स्वामी विवेकानंद को मिले व्यापक सम्मान और प्रशंसा ने भारतीयों के मन में अपनी प्राचीन परंपराओं और संस्कृति के प्रति नया विश्वास और गौरव उत्पन्न किया।

स्वामी विवेकानंद ने शिकागो - और उसके बाद अमेरिका भर में तथा यूरोप के विभिन्न देशों में अपने व?याख?यानों के माध्यम से पश्चिमी जगत को राजयोग (मन के नियंत्रण का योग), ज्ञानयोग (विवेक और ज्ञान का मार्ग), कर्मयोग (निःस्वार्थ सेवा का मार्ग) तथा भक्तियोग (ईश्वर-प्रेम और समर्पण का मार्ग) से परिचित कराया। पतंजलि के योग सूत्रों पर आधारित उनकी पुस्तक राजयोग (1896), पश्चिमी समाज के लिए योग-दर्शन का परिचय कराने वाली प्रारंभिक और सर्वाधिक प्रभावशाली कृतियों में से एक बन गई।

राजयोग पर दिए अपने व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद ने योग को मानव चेतना के आंतरिक आयामों की खोज करने वाली एक व्यवस्थित और अनुभव-आधारित साधना के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मानवता के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान उसकी आध्यात्मिक ज्ञान-परंपरा है, और योग उस परंपरा की सबसे गहन तथा स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक है। उनके विचारों ने उस समय के जाने-माने बुद्धिजीवियों और विचारकों का ध्यान खींचा, जिससे भारतीय दर्शन के साथ पश्चिमी देशों का जुड़ाव और बढ़ा।

जो बात शायद कम चर्चित है– किंतु उतनी ही महत्वपूर्ण है, – वह यह है कि पश्चिमी देशों में स्वामी विवेकानंद के कार्यों ने भारत के भीतर ही योग के पुनर्जागरण को प्रेरित किया। जब स्वामी विवेकानंद 1897 में भारत लौटे, तो वे खाली हाथ नहीं लौटे थे। वह अपने साथ एक नया आत्मविश्वास झ भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व की एक नई भावना लाए थे झ जो पश्चिम में उनके स्वागत से और बढ़ गई थी।

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया। 1 मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की – जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे। बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख?यालय बन गया, जिसने वेदांत के आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा) तथा योग-दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे आध्यात्मिक गुरुओं की धरती होने के बावजूद, बदलते समय के साथ बंगाल में योग की सार्वजनिक दृश्यता धीरे-धीरे कम होती गई। जीवनशैली में परिवर्तन, आधुनिक प्राथमिकताओं के उभरने और सामाजिक संरचना में बदलाव के कारण योग धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन के केंद्र से दूर होता गया। फिर भी, इसकी जड़ें आध्यात्मिक संस्थाओं और समर्पित साधकों के माध्यम से जीवित रहीं।

11 सितंबर 1893 को, ह्यूअमेरिका के बहनों और भाइयोंह्व के अमर अभिवादन के साथ शुरूआत करते हुए, स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। अब यह पंक्तियाँ ह्यूपश्चिम बंगाल के बहनों और भाइयों, अपने ही घर में योग की घर वापसी के साक्षी बनिए- शिकागो के वैश्विक मंच से लेकर हुगली के तट तकह्व - गहरे भावनात्मक संबंध को व्यक्त करती हैं, जो हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती हैं, जब स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया था। उनका संदेश भारत से विश्व तक पहुँचा और योग, सामंजस्य तथा आंतरिक शांति के मूल्यों का प्रसार करता गया।

आज हुगली के तटों पर जो लौटा है, वह स्वयं योग नहीं है–क्योंकि भारत में योग कभी समाप्त ही नहीं हुआ– बल्कि योग के प्रति वह नवीनीकृत वैश्विक मान्यता और सराहना है, जिसकी शुरूआत भारत के प्राचीन ऋषियों से हुई और जिसे स्वामी विवेकानंद के संदेश ने विश्व मंच पर नए रूप में अभिव्यक्त किया।

यह आज लौट आया है – पुनर्जीवित, पुनःमान्य और पुनःस्थापित होकर – बंगाल में हुगली नदी के तट पर, जहाँ बेलूर मठ आज भी उस यात्रा की जीती-जागती यादगार के तौर पर खड़ा है। आज जब विश्वभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है और जब दुनिया इसे एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देती है, – ऐसे में यह याद रखना आवश्यक है कि योग की यह वैश्विक यात्रा अपने केंद्र में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक मिशन को समाहित किए हुए है।

आज, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के साथ, ऐसा लग रहा है मानो योग की खूबसूरत घर वापसी उसी सरजमीं पर हो रही है, जहाँ से इसके संदेश ने विश्व मंच तक की अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। हुगली नदी के तट एक बार फिर इस बात के साक्षी बन रहे हैं कि लोग एक ऐसी परंपरा का उत्सव मनाने के लिए एकत्र हो रहे हैं, जिसने महासागरों पार किया था और अब ज्यादा पहचान और सम्मान के साथ लौटी है।

ह्यूशिकागो से हुगलीह्व तक की यात्रा केवल एक अभ्यास की यात्रा नहीं है; यह एक विचार – और वास्तव में एक भावना – की यात्रा है, जो संतुलन, करुणा और आत्म-चेतना के माध्यम से तथा आंतरिक सामंजस्य की खोज के द्वारा मानवता को निरंतर जोड़ती रहती है।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

संपादकीय

सुरक्षित सिरप

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाह्वा कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?

पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्पित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा- महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला अद्भुत समाज

निर्मल रानी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवकूफ होते हैं। उनके सिर में दिमाग नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इजाफा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हकीकत को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म,भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही अद्भुत समाज में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सजायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सजा सुनाने का साहस कर कानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धमार्चार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नजर आएंगे कि हमारे गुरु जी को गलत फंसाया गया है। मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नजर आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूखदार बलात्कारियों की भी शोभा यात्रा निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है ?

3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नजदीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्कीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था ? बिलकीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलकीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था । परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफसोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया । जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया । गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की शोभा यात्रा निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया । आखिरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया । गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके कथित उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये।

14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी।

और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। गाजियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक कानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को जमानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाकायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाजियाँ कीं। समर्थकों ने उसे माला पहनाई और फूल बरसाए। उसे कंधे पर बैठा लिया गया। उसके समर्थक वी साइन दिखाते और घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड करते नजर आए। बाद में इस शर्मनाक घटना की सर्वस्व निंदा होने पर पुलिस ने जुलूस निकालने पर आरोपी और उसके समर्थकों पर मामला दर्ज किया। इस घटना ने भी उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर राज्य में भाजपा का सहयोगी सत्तासीन संगठन हिंदू युवा वाहिनी की नैतिकता और बहनों की सुरक्षा के दावे पर सवाल उठे थे। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में पूरे देश के लिये खासकर देश की मां बहनों के लिये यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि हत्यारों व बलात्कारियों के बहिष्कार करने के बजाये आखिर इन का सम्मान करने वाला हम कैसा अद्भुत समाज तैयार कर रहे हैं।

यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

एआई तकनीक बदल रही रोजगार की दुनियां

अंकित जैन

सर्विस सेक्टर बनेगा नई अर्थव्यवस्था का आधार...

भारत की अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से औद्योगिक और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ चुके भारत में, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी-एआई) नई आर्थिक क्रांति का आधार बनती दिखाई दे रही है। आने वाले दो से तीन वर्षों में एआई तकनीक का प्रभाव रोजगार, शिक्षा, उद्योग, व्यापार और प्रशासन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देगा। विशेषज्ञों का मानना है, भारत की आर्थिक प्रगति में सर्विस सेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ेगी तथा रोजगार का बड़ा हिस्सा एआई समर्थित सेवाओं से जुड़ा होगा।

आज बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, ई-कॉमर्स, मीडिया, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पहले जिन कार्यों को करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब उनमें से कई कार्य स्वचालित उपकरणों के द्वारा किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे, बल्कि रोजगार का स्वरूप बदल जाएगा। पारंपरिक कार्यों की जगह ऐसे लोगों की मांग बढ़ेगी जो एआई आधारित तकनीक में कार्य का संचालन, रख-रखाव, विश्लेषण और प्रबंधन कर सकें।

भारत में बड़ी संख्या में एआई आधारित मशीनें, रोबोटिक उपकरण, स्मार्ट सेंसर, स्वचालित उत्पादन प्रणाली और डिजिटल सेवा से संबंधित उपकरण आयात किए जाएंगे। इन उपकरणों के संचालन, मरम्मत, निगरानी, डेटा विश्लेषण और तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। परिणामस्वरूप सर्विस सेक्टर में नए प्रकार की नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी सहायता विशेषज्ञ, एआई ऑपरेटर, डेटा विश्लेषक, डिजिटल सलाहकार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और स्मार्ट सिस्टम प्रबंधक जैसे पदों की मांग लगातार बढ़ेगी।

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लंबे समय तक डिग्री आधारित शिक्षा को रोजगार का आधार माना जाता रहा है। अब उद्योग जगत सहित सभी क्षेत्रों में कौशल आधारित मानव संसाधन को अधिक महत्व मिल रहा है। किसी शैक्षणिक संस्थान से केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि किसी व्यक्ति की वास्तविक उपयोगिता इस बात से तय होगी, वह अपने कार्यक्षेत्र में एआई आधारित उपकरणों और तकनीकों का कितना प्रभावी उपयोग अपने कार्य में कर सकता है। यही कारण है कि तकनीकी प्रशिक्षण, अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रम, डिजिटल साक्षरता और व्यावहारिक शिक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। रोजगार और नौकरी में वही सफल होंगे जो अपने कार्यों में जिम्मेदारी के साथ दक्ष होंगे।

असंगठित क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता माना जाता है। वह भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं रहेगा। छोटे दुकानदार, कुटीर उद्योग, परिवहन सेवाएं, कृषि आधारित व्यवसाय, स्थानीय सेवा प्रदाता और स्वरोजगार से जुड़े लोग भी एआई आधारित डिजिटल उपकरणों का उपयोग बहुतायत में करने लगेंगे। ऑनलाइन भुगतान, स्मार्ट लेखांकन, डिजिटल विपणन, ग्राहक प्रबंधन और स्वचालित व्यावसायिक प्रणालियां असंगठित क्षेत्र की कार्यशैली को बदलाव लाएंगी। हालांकि इस क्षेत्र के सटीक आर्थिक आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके वास्तविक प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। फिर भी स्पष्ट है, कि एआई का विस्तार हर क्षेत्र में तेजी से होगा।

एआई तकनीकि के तरह-तरह के उपकरण घरों में बहुतायत से बढ़ेंगे

भारत जैसे युवा देश के लिए यह परिवर्तन अवसर और चुनौती दोनों लेकर आया है। जिन लोगों के पास नई तकनीकों को सीखने और अपनाने की क्षमता होगी, उनके लिए रोजगार के नए अवसर भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में भी खुलेंगे। भारत सबसे बड़ी ययुवा आबादी वाला देश है। सर्विस सेक्टर में सारी दुनिया में दक्ष व्यक्तियों की मांग बढ़ेगी। दूसरी ओर, जो लोग तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को विकसित नहीं कर पाएंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाएगी। इसलिए सरकार, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना होगा।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो सेवा क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सबसे बड़ा योगदान है। एआई आधारित तकनीकी के विस्तार के साथ बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, ई-गवर्नेंस और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में तेज वृद्धि की संभावना है। इससे सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी। आने वाले वर्षों में रोजगार की परिभाषा भी बदलती दिखाई देगी। स्थायी नौकरी के साथ-साथ फ्रीलांस कार्य, डिजिटल सेवाएं, ऑनलाइन परामर्श, दूरस्थ कार्य (रिमोट वर्क) और परियोजना आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगें। ऐसे वातावरण में व्यक्ति की सफलता उसकी डिग्री से अधिक उसके कौशल, तकनीकी दक्षता और निरंतर सीखने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

कुल मिलाकर, एआई तकनीक भारत के रोजगार और बाजार को पुनर्परिभाषित कर रही है। यह परिवर्तन केवल मशीनों का विस्तार नहीं, बल्कि मानव संसाधन की नई भूमिका का निर्माण है। यदि भारत समय रहते अपने युवाओं को एआई और डिजिटल कौशल से लैस कर पाता है, तो आने वाले वर्षों में सर्विस सेक्टर न केवल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा स्तंभ बनेगा, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए नए रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी पैदा करेगा। भारत की अगली आर्थिक छलांग संभवतः एआई संचालित सेवा, अर्थव्यवस्था में ही दिखाई देगी। स्मार्ट फोन का उपयोग भारत का युवा कर रहा है। स्मार्ट फोन और एआई तकनीक की सहायता से रोजगार, व्यापार एवं सर्विस क्षेत्र में आर्थिक अवसर तेजी के साथ बढ़ेंगे। भारतीय विद्याभवन ने एआई तकनीकि पर सर्टिफिकेट एवं डिग्री कोर्स संचालित किये जा रहे हैं।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

पंजाब के विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दूंगा: मुख्यमंत्री मान

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब अब पिछली सरकारों की गलतियों और बुरे कार्यों का शिकार नहीं बनेगा, बल्कि विकास, मौकों और समृद्धि के एक नए युग की ओर निरंतर बढ़ रहा है। होशियारपुर के टांडा स्थित भट्ठलां गांव में उन्होंने कहा कि उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और मेहनती लोगों के बावजूद, पिछली सरकारों ने राज्य के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी, जिसके कारण पंजाब अपनी पूरी क्षमता से विकास नहीं कर सका।

मुख्यमंत्री मान ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने तथा एक ऐसा रंगला पंजाब सृजित करने की बात कही, जहाँ किसी भी युवा को बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों की ओर जाने की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने अपनी सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर कहा कि बरगाड़ी बेअदबी और बहिबल कलां-कोटकपूरा गोलीकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा कर जेल भेजा जाएगा। सीएम मान ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 का भी जिक्र किया, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा

का प्रावधान करता है। उन्होंने अकाली नेतृत्व पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुरबानी के नाम पर वोट मांगे, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रहे।

सीएम मान ने पंजाब के सफर पर कहा कि राज्य ने 1947 के विभाजन, 1984 के दंगों और पिछली सरकारों द्वारा वर्षों की लूट-खसोट जैसे कई दुख झेले हैं, लेकिन अब इस प्रगति को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पंजाब में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से ऐसी नेतृत्व क्षमता की कमी थी जो निजी और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर राज्य के हितों को सर्वोपरि रखे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से भावुक अपील की कि उन्हें केवल कनाडा, अमेरिका या अन्य विदेशों के सपने देखने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि सरकार पंजाब में ही मौके पैदा कर रही है।

इस दिशा में, पंजाब सरकार ने ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की महिला कर्मचारियों को उनके घरों से 40 किलोमीटर के दायरे में तैनात करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे हजारों महिला कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हाई-टेंशन बिजली की तारों को भूमिगत करने की देश की पहली परियोजना, 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली, किसानों को दिन के समय बिजली और सिंचाई को मजबूत करने के लिए 14,000 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइनें बिछाने जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त, मावां-धियां सम्मान योजना के तहत सभी वर्गों की 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति भाईचारे की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा पंजाब उनका परिवार है और लोगों द्वारा दिखाया गया प्यार व विश्वास उन्हें और अधिक समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है।

पीएम मोदी पर कथित टिप्पणी : खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार समिति से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ दायर शिकायत को राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति को जांच और विचार के लिए सौंपा गया है। यह कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के छह सांसदों द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर सदन और उसके सदस्यों की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाली अपमानजनक, टिप्पणियाँ करने का आरोप लगाने के बाद उठाया गया है।

राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सदन के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने नियम 203 के तहत मामले को समिति के पास भेज दिया है। इसकी शिकायत भाजपा सांसद बृजलाल, मिथिलेश कुमार, सुमित्रा बाल्मिक, शिवेश कुमार, सिकंदर कुमार और नागेंद्र राय ने संयुक्त रूप से दाखिल की थी। अधिसूचना में इस संबंध में 16 जून, 2026 की तारीख का उल्लेख है।

बीजेपी सांसदों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष खरगे लगातार और जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इसतरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे संसद की गरिमा कम हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संवैधानिक पद पर आसीन किसी व्यक्ति से मर्यादित भाषा और जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा होती है, और खरगे की टिप्पणियाँ संसदीय परंपराओं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं। यह विशेषाधिकार नोटिस राज्यसभा की कार्यवाही और कामकाज संचालन नियमावली के नियम 188 के तहत दाखिल हुआ था। नियम 188 सदस्यों को सदन की गरिमा, विशेषाधिकार या संसदीय परंपराओं के उल्लंघन के मामलों में नोटिस देने की अनुमति देता है। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष हैं। समिति के अन्य सदस्यों में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, दीपक प्रकाश, सुमेर सिंह सोलंकी, सुरेंद्र सिंह नागर, मनन कुमार मिश्रा और निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा शामिल हैं।

तेलंगाना में भीषण सड़क हादसों में सात की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में गुरुवार का दिन सड़क हादसों के नाम रहा, जब राज्यभर में तीन अलग-अलग घटनाओं में करीब सात लोगों की जान चली गई। इन हादसों में तेज रफ्तार, अनियंत्रित वाहन और सड़क किनारे खड़े वाहनों से टक्कर मुख्य वजह बनी। पहली दर्दनाक घटना हैदराबाद के पास मेडचल मलकाजगिरी जिले में हुई। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी और सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। यह हादसा तुर्कपल्ली और मुरहरपल्ली के बीच हुआ, जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि कार करीमनगर से हैदराबाद की ओर आ रही थी और चालक ने अपना नियंत्रण खो चुका था। एक अन्य घटना में, जंगांव जिले में हैदराबाद-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी ने टायर पंक्चर होने के कारण सड़क पर खड़े एक मिनी ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब मिनी ट्रक का चालक, एक सफाईकर्मी और एक अन्य व्यक्ति लिंगलघनपुर मंडल के नेल्लुतला के पास वाहन की मरम्मत कर रहे थे। मृतकों की पहचान रोहित, राजेंद्र और मधु के रूप में हुई है। रोहित जंगांव के देवुरुप्पला मंडल में एक किराने की दुकान चलाता था और अपनी दुकान के लिए हैदराबाद से किराने का सामान ला रहा था, जबकि मधु यादद्री भुवनगिरी जिले की रहने वाली थीं। हादसे में एक व्यक्ति ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरी घटना विकाराबाद जिले में दर्ज की गई, जहां एक लॉरी और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की जान चली गई। यह दुर्घटना परिगी मंडल के चिगुरलपल्ली के पास हुई। मृतक की पहचान मोमिंकलान निवासी 30 वर्षीय जावेद पाशा के रूप में हुई है।

पंजाब में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित होने वाले बड़े हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से राज्य में अवैध हथियारों की घुसपैठ पर महत्वपूर्ण लगाम लगी है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से 11 आधुनिक पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए हैं। यह सभी आरोपी विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे, जहां से वे हथियार प्राप्त कर भारत में उसकी आपूर्ति करते थे। इस कार्रवाई की जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है ताकि पूरे नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों का खुलासा किया जा सके। पुलिस का लक्ष्य इस तस्करी के पूरे मॉड्यूल का पता लगाना है। अमृतसर के एयरपोर्ट, सदर और छेहरटा पुलिस स्टेशनों में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और स्पष्ट किया है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने बताया कि अवैध हथियारों की तस्करी, सीमा पार अपराध और संगठित गिरोहों के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। आपराधिक गतिविधियों में किसी भी संलिप्तता मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हाल के दिनों में पंजाब पुलिस ने इसतरह के कई गिरोहों का पर्दाफाश किया है जो विदेशी हैंडलरों के इशारे पर भारत में हथियार पहुंचाते हैं। इसतरह के मामलों की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि ये अक्सर अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं, जिससे शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

सेना के अधिकारी की पत्नी के जबरन धर्म परिवर्तन मामले में मौलवी गिरफ्तार

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र की नागपुर पुलिस ने भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी की पत्नी के कथित जबरन धर्म परिवर्तन मामले में एक मौलवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे मध्य प्रदेश से हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए नागपुर ले आई है। महिला ने अपनी शिकायत में पूर्व सहपाठी और उसके कई साथियों पर दुष्कर्म, ब्लैकमेल, जबरन धर्म परिवर्तन और काला जादू से जुड़े कथित आरोप लगाए हैं। जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में कथित तौर पर एक व्यक्ति महिला का हाथ पकड़कर धार्मिक आयतें पढ़ता दिखाई दे रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ गया और पुलिस जांच तेज कर दी गई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मुख्य आरोपी अयाज मदारे (26) और उसका सहयोगी अमीन शेख पहले से ही पुलिस हिरासत में हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि गिरफ्तार मौलवी ने कथित धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाई थी। एफआईआर के मुताबिक महिला ने आरोप लगाया है कि 8 फरवरी 2025 को अयाज उसे एक होटल ले गया, जहां उसके पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाया। बेहोश होने के बाद उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए गए। बाद में इन्हीं के जरिए उसे ब्लैकमेल किया गया और पति को भेजने व सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर कई बार यौन उत्पीड़न किया गया। महिला का यह भी आरोप है कि उससे करीब चार लाख रुपए भी वसूले गए। महिला ने शिकायत में बताया कि वायरल वीडियो में वह रोते हुए खुद को छोड़ने की गुहार लगा रही थी। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि अयाज नियमित रूप से उसे प्लास्टिक की बोतल से एक तरल पदार्थ पीने के लिए मजबूर करता था। उसने दावा किया कि इसे पीने के बाद वह मंत्र पढ़ता था, उसके चेहरे पर फूंक मारता था और इस प्रक्रिया को सम्मोहन या काला जादू बताता था। एफआईआर के मुताबिक 31 मई को आरोपी उसे अपने सहयोगी के साथ कलमेश्वर ले गया, जहां मौलाना ने धार्मिक गतिविधि के दौरान उसकी इच्छा के विरुद्ध उससे कबूल है कहलवाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौलवी से पूछताछ के दौरान मामले में और भी अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

राज्य सरकार ने जानबूझकर पूर्व सीएम ममता बनर्जी की सुरक्षा वापस ली

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में पूर्व सीएम ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। कोलकाता पुलिस ने उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार ने जानबूझकर ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था वापस ले ली है। बुधवार रात टीएमसी के दो राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन और सागरिका घोष और लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास के सामने मौजूद पुलिस चौकी खाली दिखाई दे रही थी। टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया था कि प्रशासन के निर्देश पर उनकी सुरक्षा व्यवस्था हटा दी गई है।

दलाई लामा का शांति संदेश: तिब्बती कूटनीति और चीन की बढ़ती रणनीतिक चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बतियों के सर्वोच्च आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने मानवीय मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्नेह और गर्मजोशी से मिलने वाली खुशी से आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे डर कम होता है, आपसी भरोसा पैदा होता है और दोस्ती विकसित होती है। दलाई लामा ने सहयोग को सामाजिक प्राणी के रूप में मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक बताकर भरोसे पर आधारित बताया। उन्होंने रेखांकित किया कि एक दयालु मन और गर्मजोशी भरा व्यवहार आसपास के माहौल को अधिक सकारात्मक बनाता है। हालांकि, इस शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक ट्वीट ने वैश्विक स्तर पर तत्काल ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि भू-राजनीतिक विशेषज्ञ इसमें एक गहरा राजनीतिक निहितार्थ देख रहे हैं, जो सीधे तौर पर चीन के लिए एक नई चिंता और चुनौती बन सकता है।

यह संदेश चीन के लिए इसलिए संवेदनशील है क्योंकि तिब्बत पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 70 वर्षों के सख्त नियंत्रण के बावजूद, बीजिंग को हमेशा वहां चीन-विरोधी आंदोलन के फिर से भड़कने का डर बना रहता है। दलाई लामा आज भी दुनिया भर के तिब्बती समुदाय के लिए सबसे प्रभावशाली और सर्वमान्य नेता हैं। चीन के तमाम राजनीतिक और प्रशासनिक सुधारों के बाद भी उनकी आध्यात्मिक पकड़ कमजोर नहीं हुई है। इसी संवेदनशीलता के चलते बीते साल चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तिब्बत की राजधानी ल्हासा का एक दुर्लभ और अचानक दौरा किया था, जो क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने की बीजिंग की छटपटाहट को दिखाता है।

चीन की सबसे बड़ी रणनीतिक चिंता लामा के उत्तराधिकारी और उनके पुनर्जन्म के मुद्दे पर टिकी है। हाल ही में दलाई लामा ने स्पष्ट कर दिया था कि उनके भविष्य के पुनर्जन्म को मान्यता देने का एकमात्र विधिक और धार्मिक अधिकार केवल गादेन फोड्रंग ट्रस्ट के पास है। यह रुख बीजिंग के उस दावे के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी इस पूरी प्रक्रिया को अपना आंतरिक मामला और एकमात्र संप्रभु अधिकार मानती है। इसके अलावा, चीन पड़ोसी देश नेपाल को लेकर भी सतर्क है, जहां लगभग 12,000 निर्वासित तिब्बती शरणार्थी रहते हैं और जिसकी भौगोलिक सीमा तिब्बत से सटती है। वहीं दूसरी ओर, भारत ने साल 1959 से ही लामा और निर्वासित तिब्बती समुदाय को ससम्मान शरण दे रखी है। भारत सरकार हमेशा से धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करती है और आस्था से जुड़े आंतरिक मामलों पर कोई राजनीतिक पक्ष नहीं लेती, जिससे दलाई लामा की आध्यात्मिक प्रामाणिकता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परोक्ष रूप से मजबूत समर्थन मिलता है। चीन जहां इस धार्मिक परंपरा को राजनीति के चश्मे से देखता है, वहीं वैश्विक समुदाय और स्वयं तिब्बती लोग इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं।

परिसीमन पर नायडू को थरूर का जवाब: ड्राइवर की सैलरी से समझाया गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के उस बयान पर अपनी कड़ी असहमति जाहिर की है, जिसमें सीएम नायडू ने केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन ढांचे का बचाव किया था। कांग्रेस नेता थरूर ने एक विचार-प्रयोग के द्वारा समझाया कि सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में आनुपातिक वृद्धि के बावजूद राजनीतिक प्रभाव बड़े राज्यों की ओर ही झुकेगा। सीएम नायडू ने हाल ही में संसद में संविधान संशोधन विधेयक को रोकने के लिए विपक्ष की आलोचना कर कहा था कि परिसीमन को लेकर जाहिर की जा रही चिंताएं बेबुनियाद हैं।

अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान प्रस्तुत किए गए संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 में लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन को 2011 की जनगणना से जोड़ने का प्रस्ताव था। इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की आनुपातिक वृद्धि का प्रावधान भी शामिल था। हालांकि, यह विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और पारित होने के लिए आवश्यक 352 मतों के मुकाबले केवल 298 सदस्यों का समर्थन ही प्राप्त कर पाया, जबकि 230 सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

नायडू के इस बयान पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने एक अख़बार की क्लिपिंग साझा की, जिसकी हेडलाइन थी नायडू ने कहा परिसीमन बिल 50 प्रतिशत सीट बढ़ोतरी के प्रावधान के साथ वापस आएगा। उन्होंने नायडू को संबोधित करते हुए लिखा, नायडू जी, आइए एक सोच-विचार वाला प्रयोग करते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 2 लाख है और आपके ड्राइवर की 20,000 है। आप सभी के लिए 50 प्रतिशत बढ़ोतरी का ऐलान करते हैं। अब आपकी सैलरी 3 लाख हो जाती है और आपके ड्राइवर की 30,000। थरूर ने समझाया, प्रतिशत या अनुपात के हिसाब से बढ़ोतरी तब एक जैसी है-लेकिन क्या आप अपने ड्राइवर की तुलना में और पहले की अपनी स्थिति की तुलना में, कहीं बेहतर स्थिति में नहीं हैं?

थरूर ने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ठीक यही चिंता जाहिर की है कि भले ही सीटों में बढ़ोतरी का अनुपात एक जैसा रहे, फिर भी राजनीतिक संतुलन काफी बदल जाएगा। उन्होंने उदाहरण देकर पूछा, क्या सच में कोई फर्क नहीं पड़ेगा अगर उत्तर प्रदेश के सांसदों की संख्या 80 से बढ़कर 120 हो और केरल के सांसदों की संख्या 20 से बढ़कर 30 हो जाए? उन्होंने कहा कि भले ही संख्या का अनुपात एक जैसा रहे, लेकिन राजनीतिक वज़न में भारी अंतर (केरल के 10 और सांसदों के मुकाबले यूपी के 40 और सांसद) एक गंभीर चिंता का विषय बना रहेगा। इस विचार-प्रयोग के माध्यम से थरूर ने यह स्थापित करने का प्रयास किया कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या में केवल आनुपातिक बढ़ोतरी से राजनीतिक संतुलन बना रहेगा, यह ज़रूरी नहीं है, खासकर दक्षिणी राज्यों के लिए, जो लंबे समय से आबादी पर आधारित परिसीमन प्रक्रिया में नुकसान होने की आशंका जता रहे हैं।

कच्चे तेल की गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा पेट्रोल-डीजल : राज्य मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि घरेलू ईंधन कीमतों का निर्धारण कई कारकों पर निर्भर करता है, इसमें कम कीमत पर खरीदे गए कच्चे तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय महत्वपूर्ण पहलू है। राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि हॉरमुज जलडमरूमध्य जैसे व्यस्त समुद्री मार्गों से कम कीमत वाले कच्चे तेल के भारत पहुंचने में समय लगता है, इससे तुरंत कीमतों में कमी संभव नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि इस साल पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा की, जिसका सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर पड़ा। राज्य मंत्री गोपी ने बताया कि उपभोक्ताओं को बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। इस प्रक्रिया में केंद्र सरकार को करीब 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने बताया कि ऊंची ईंधन कीमतों के दौरान किसी भी राज्य सरकार ने अपने करों में कटौती करके राजस्व नहीं छोड़ा, जबकि केंद्र और तेल कंपनियों दोनों को अपना परिचालन जारी रखना है। राज्य मंत्री गोपी ने पुन: साफ किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें केवल अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के भाव पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि बाजार और परिवहन से जुड़े कई अन्य आंतरिक और बाहरी कारकों को भी ध्यान में रखा जाता है। गौरतलब है कि गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जहां ब्रेंट क्रूड करीब 1.64 प्रतिशत गिरकर 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा था, और अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी करीब 2 प्रतिशत घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कच्चे तेल की इन कीमतों में गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में हुई कूटनीतिक प्रगति के बाद देखी गई है, जिससे निवेशकों को उम्मीद है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

राजभर को गंभीरता से नहीं लेता कोई: शिवपाल ने बताया सपा एकजुट

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के सपा में अंदरूनी फूट के आरोपों को सिरे से खारिज किया है, इस बयान को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सुनियोजित साजिश बताया। गुरुवार को शिवपाल यादव ने बीजेपी और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैलाने और समय-समय पर साजिशें रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सपा का कोई भी सांसद पार्टी छोड़कर नहीं जाएगा, और ऐसी बातें केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने और चुनाव में सीटें हासिल करने के लिए होती हैं। शिवपाल ने राजभर पर निशाना साधकर कहा कि उनके बयान पैसे के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें ट्वीट करने के लिए पैसे मिलते हैं,

इसीलिए वे ऐसी बातें कहते हैं और झूठ बोलते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

शिवपाल ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में राजभर को कोई गंभीरता से नहीं लेता। गौरतलब है कि एसबीएसपी नेता और उत्तर प्रदेश के मंत्री राजभर, जो पहले समाजवादी पार्टी के सहयोगी थे, अब बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के सदस्य हैं।

इसके पहले गुरुवार को राजभर ने समाजवादी पार्टी की आलोचना कर आरोप लगाया था कि पार्टी नेतृत्व केंद्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) की चल रही जांचों से खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा था कि राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जो चिट्ठी भेजी थी, उसमें पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से जुड़ी सीबीआई एफआईआर का जिक्र है। राजभर ने दावा किया था कि गायत्री प्रजापति जेल में हैं, जबकि अखिलेश यादव अभी बाहर हैं। उन्होंने गोमती रिवर फ्रंट मामले में राम गोपाल यादव के बेटे, शिवपाल यादव और उनके बेटे सहित परिवार के कई सदस्यों के शामिल होने का भी जिक्र किया, जिसके चलते समाजवादी पार्टी ने अपनी जान बचाने के लिए एक सूची जारी की थी।

तमिलनाडु विधानसभा में पारंपरिक प्रोटोकॉल बहाल : पहले राज्य गीत और फिर राष्ट्रगान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने गुरुवार को महत्वपूर्ण कदम उठाकर अपने लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक प्रोटोकॉल को बहाल किया। अब सदन की कार्यवाही की शुरुआत राज्य गीत तमिल थाई वाज़्थु के गायन से हुई, और समापन राष्ट्रगान के साथ होगा। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गानों के क्रम को लेकर उपजे बड़े राजनीतिक विवाद के ठीक एक महीने बाद हुआ है।

दरअसल यह बहाली दशक पुरानी परंपरा की वापसी है, जिसके तहत तमिलनाडु में सभी सरकारी और आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत राज्य गीत तमिल थाई वाज़्थु से होती है, और समापन हमेशा राष्ट्रगान से होता है। हालांकि, बीते महीने मुख्यमंत्री विजय के शपथ ग्रहण समारोह में परंपरा को बदल दिया गया था। इस बदलाव पर न केवल विपक्षी दलों, बल्कि टीवीके का समर्थन करने वाले कई सहयोगियों ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। विवाद तब और गहरा गया जब समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय के जनवरी 2026 के निर्देश के अनुसार वंदे मातरम का पूरा छह-पद वाला संस्करण बजाया गया।

विजय को 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत दिलाने में मदद करने वाले कई सहयोगियों ने फैसले पर सवाल उठाए थे। सीपीआई के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने तमिल थाई वाज़्थु को सर्वोच्च स्थान देने पर जोर दिया था, जबकि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन और पीएमके संस्थापक एस. रामदास ने भी इस क्रम की आलोचना कर विजय सरकार से तमिल स्तुति गीत को उचित महत्व देने का आग्रह किया था। डीएमके ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल ने सबसे पहले वंदे मातरम गाने पर जोर दिया और दावा किया कि यह घटनाक्रम विजय के भाजपा के करीब आने का संकेत है।

बढ़ती आलोचनाओं के बीच, टीवीके नेता आधव अर्जुन ने स्पष्टीकरण देकर जोर दिया कि उनकी सरकार बदले हुए क्रम का समर्थन नहीं करती। उन्होंने इस प्रारूप को तमिलनाडु के लिए अनुपयुक्त बताया और खुलासा किया कि जब तमिल थाई वाज़्थु को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया था, तब पार्टी ने राजभवन के समक्ष आपत्ति जाहिर की थी। अर्जुन के अनुसार, राजभवन ने उन्हें बताया था कि राज्यपाल को केंद्र सरकार द्वारा जारी नए सर्कुलर के अनुसार कार्य करना था।

शिवसेना में बगावत: पार्टी के इतिहास में चार बड़ी फूट की यादें हुईं ताजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति फिर इतिहास को दोहराया जा रहा है, जहाँ शिवसेना (यूबीटी) उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में एक और बड़े दलबदल के खतरे का सामना कर रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उद्धव गुट के नौ लोकसभा सांसदों में से सात सांसद दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्ताधारी शिवसेना में शामिल होने के इच्छुक हैं। सूत्रों के अनुसार, इस संभावित बगावत की मुख्य वजह पार्टी के भीतर उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे को बड़ी संगठनात्मक और नेतृत्व भूमिका देने की तैयारी है। शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि कई मौजूदा सांसद आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में काम करने में सहज नहीं हैं। अटकलें हैं कि आगामी 19 जून को, जो अविभाजित शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस है, शिवसेना (यूबीटी) आदित्य ठाकरे को लेकर कोई बड़ी घोषणा कर सकती है। इन अटकलों को बल तब मिला जब उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई सांसदों की बैठक में नौ में से केवल चार सांसद (अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ राजे और संजय पाटिल) ही व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे, हालांकि पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने अन्य सांसदों के फोन के ज़रिए संपर्क में होने की सफाई दी।

यह पहली बार नहीं है जब शिवसेना को अपने शीर्ष नेताओं की बगावत का सामना करना पड़ रहा है। बाल ठाकरे के दौर से लेकर आज तक, पार्टी ने कई बड़े कूटनीतिक और ऐतिहासिक विभाजन देख चुकी हैं। पार्टी के इतिहास में सबसे पहला बड़ा झटका 1991 में लगा, जब वरिष्ठ नेता छगन भुजबल 17 विधायकों के साथ शिवसेना से अलग होकर कांग्रेस में शामिल हुए थे, जिसने बाल ठाकरे के मज़बूत नियंत्रण पर पहली बार दरार डाली। इसके बाद, 2005 में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे को पार्टी से निकाले जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जिससे कोंकण क्षेत्र में शिवसेना का आधार कमज़ोर हुआ। उसी साल, बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे, जिन्हें कभी उनका राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता था, ने नेतृत्व संघर्ष के बाद पार्टी छोड़ दी और 2006 में अपनी खुद की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) बनाकर शिवसेना के मराठी वोट बैंक के लिए नई चुनौती खड़ी की।

हालांकि, शिवसेना के इतिहास की सबसे बड़ी फूट 2022 में देखी गई, जब वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने बगावत की अगुवाई की, इसके परिणामस्वरूप उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इस बगावत की जड़ में उद्धव ठाकरे का 2019 में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर सरकार बनाने का फैसला था, जिसे शिंदे गुट ने बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा से समझौता बताया। बागी विधायकों ने उद्धव तक पहुंच की कमी और सरकारी फंड के बंटवारे में असमानता जैसे आरोप लगाए। यह राजनीतिक संकट जून 2022 में महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में क्रॉस-वोटिंग के बाद तेज़ी से बढ़ा, जब शिंदे और 11 विधायक गुजरात के सूरत और फिर असम के गुवाहाटी चले गए। कुछ ही दिनों में, शिंदे ने शिवसेना के 55 में से 39 विधायकों का समर्थन पा लिया, जो दलबदल-विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जाने से बचने के लिए ज़रूरी दो-तिहाई बहुमत था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा

ट्रस्ट वोट पर रोक लगाने से इंकार करने के बाद, उद्धव ठाकरे ने 29 जून 2022 की रात को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया। इस बगावत ने न सिर्फ़ शिवसेना को दो गुटों में बांट दिया, बल्कि महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य को भी पूरी तरह से बदल दिया। अब एक बार फिर, उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती आ खड़ी हुई है।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की उपायुक्त ने की विस्तृत समीक्षा

रिक्त पदों पर नियुक्ति तीन माह के भीतर पूर्ण करें:डीसी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में समाज कल्याण विभाग की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं,आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं,निमार्णाधीन भवनों, सेविका-सहायिका नियुक्ति,पोषण ट्रैकर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना,मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में उपायुक्त ने जिले में हाल ही में नियुक्त महिला पर्यवेक्षिकाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें आवंटित प्रखंड एवं सेक्टर की जानकारी ली। जिन महिला पर्यवेक्षिकाओं को अब-तक सेक्टर आवंटित नहीं किया गया है। उनके लिए दो दिनों के भीतर सेक्टर आवंटित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया

गया। उपायुक्त ने सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को अपने-अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित भ्रमण करने तथा केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से पेयजल,शौचालय,विद्युत आपूर्ति,भवन की स्थिति,सेविका एवं सहायिका की नियुक्ति,रिक्त पदों की स्थिति तथा सेविका-सहायिकाओं के सेवानिवृत्ति संबंधी मामलों पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैठक के दौरान नव निर्मित आंगनबाड़ी भवनों में वर्तमान में किराये के भवनों में संचालित केंद्रों के स्थानांतरण की समीक्षा की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने अवगत कराया कि जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के निकट स्थित लगभग 390 विद्यालयों को चिन्हित किया गया है। जहां किराये के भवनों एंव जर्जर भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जा सकता है। उपायुक्त ने महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देशित किया कि वे संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालय परिसरों का स्थलीय निरीक्षण कर वस्तुस्थिति से अवगत हों तथा शीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं?,ताकि बच्चों को सुरक्षित,स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण में सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि स्वीकृत सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को विभागीय एवं अन्य मदों से संचालित निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्यों में गति लाने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केंद्र भवनों में विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी केंद्रों में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देशित किया कि जिन केंद्रों में इन मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, उनका प्रतिवेदन तत्काल उपलब्ध कराया जाए। ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकें। प्रधानमंत्री जनमन के तहत नव स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका चयन एवं सामान्य स्वीकृत केंद्रों में सेविका-सहायिका नियुक्ति की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया आगामी तीन माह के भीतर पूर्ण कर ली जाए,ताकि लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त हो सकें। बैठक में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सेविका-सहायिका मानदेय भुगतान,पोषण ट्रैकर,आभा आइडी,प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा कोताही न बरती जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। पोषण ट्रैकर के अंतर्गत नए गंभीर कुपोषित बच्चों के समर-सीएमएएम की समीक्षा के दौरान अपेक्षाकृत कम प्रगति पर उपायुक्त ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कुपोषण उन्मूलन के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सकें। उपायुक्त ने कहा कि समाज कल्याण विभाग की सभी योजनाएं समाज के जरूरतमंद वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु संचालित की जा रही हैं। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मी पूर्ण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह-प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,महिला पर्यवेक्षिकाएं तथा संबंधित विभागों के कर्मी उपस्थित थे।

थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को किया नशे के प्रति जागरूक

नशे की लत से बचें, स्वस्थ समाज बनाएं : थाना प्रभारी

बिभा संवाददाता

तालझारी। तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने गुरुवार को राजकीय बुनियादी विद्यालय तालझारी में विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक किया। इस दौरान थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने कहा कि नशे के आदी युवाओं को परिवार में ही नहीं बल्कि समाज भी लोग घृणा की दृष्टि से देखते है। साथ ही उन्होंने बताया कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है,बल्कि आर्थिक स्थिति को भी कमजोर करता है। नशे की लत के कारण कई परिवारों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है। साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने में विद्यार्थियों की भागीदारी भी सराहनीय योगदान साबित हो सकती है। इसके लिए हमें अपने गांव-मोहल्ले और आसपास लोगों को नशा मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूक करें। यदि कोई व्यक्ति नशा के आदी है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यदि अपने देश और समाज के लिए थोड़ा सा भी कुछ करें,तो यह बहुत बड़ा कार्य हो सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि नशे को पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिए सभी को मिल कर कार्य करना होगा। मौके पर प्रधानाचार्य राजेश कुमार सहित छात्र -छात्रा मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

शांतिपूर्ण वातावरण में हुई वस्तानिया, फौकानिया एवं मौलवी की परीक्षा

उधवा (बिभा)। झारखंड अधिविद्य परिषद मदरसा बोर्ड परीक्षा 2026 द्वारा आयोजित वस्तानिया, फौकानिया एवं मौलवी की परीक्षा गुरुवार को प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में हुई। जानकारी के अनुसार वस्तानिया की परीक्षा में प्रथम पाली में फारसी व द्वितीय पाली में अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। फौकानिया की परीक्षा में प्रथम पाली में हिंदी व द्वितीय पाली में फारसी विषय तथा मौलवी की परीक्षा में प्रथम पाली में हिंदी व द्वितीय पाली में उर्दू विषय की परीक्षा हुई। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा हुई। इस दौरान प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के प्रधानाध्यापिका सह केंद्राधीक्षक नुसरत जहां ने बताया कि वस्तानिया की परीक्षा में कुल 282 में से 280 परीक्षार्थी उपस्थित हुए,जबकि 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। साथ ही उन्होंने बताया कि फौकानिया की परीक्षा में कुल 84 में से 83 परीक्षार्थी शामिल हुए,जबकि 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें एवं मौलवी की परीक्षा में कुल 25 में से 24 परीक्षार्थी उपस्थित हुए,जबकि 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मौके पर दण्डाधिकारी शंकर साव,एएसआई बिटाराम मुर्मू,शिक्षक नाईम अख्तर,आकिब जावेद सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

अनियंत्रित होकर ट्रक पलटा, क्षतिग्रस्त

तालझारी (बिभा)। तालझारी थाना क्षेत्र के बैगचुरी के समीप गुरुवार को गर्दी लोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलट कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार क्रशर से गर्दी लोडकर उतर रहा था। इसी बीच अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे पूरे ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जाता है कि गर्दी लोड कर ट्रक फोरलाइन राजमहल जा रहा था।

विजय कुमार बने साहिबगंज के अपर समाहर्ता

साहेबगंज(बिभा)। कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी करके वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उप सचिव विजय कुमार को साहिबगंज का नया अपर समाहर्ता नियुक्त किया है। वही उधवा सीओ के पद पर आशीष मंडल को नियुक्त किया है। ज्ञात हो कि साहिबगंज अपर समाहर्ता गौतम भगत का तबादला बीते सप्ताह किया गया था। जिसके बाद साहिबगंज अपर समाहर्ता का पद रिक्त हो गया था। जल्द ही विजय कुमार पदभार लेंगे।

देवघर में साइबर ठगी के चार आरोपित गिरफ्तार

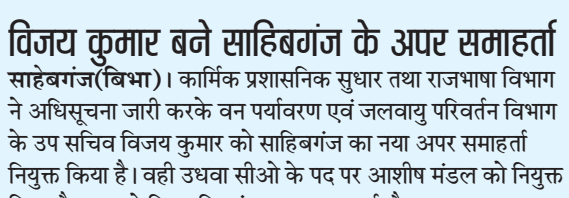

देवघर (बिभा)। देवघर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान में चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से चार मोबाइल फोन और चार सिम कार्ड बरामद किए गए हैं, जिनका उपयोग साइबर ठगी की घटनाओं में किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अशरफ अंसारी (26), सद्दाम अंसारी (36), मुस्तकीम अंसारी (26) और बिनोद दास (37) के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में बरामद मोबाइल फोन और सिम कार्ड के माध्यम से साइबर ठगी से जुड़े मामलों में संलिप्तता के संकेत मिले हैं। तकनीकी जांच के दौरान इनके मोबाइल उपकरणों के आईएमईआई नंबरों से देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर ठगी की शिकायतों का भी मिलान पाया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित सद्दाम अंसारी का नाम पूर्व में भी साइबर अपराध से जुड़े मामलों में सामने आ चुका है। सभी आरोपितों से पूछताछ की जा रही है तथा उनके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की पहचान के लिए जांच जारी है। देवघर पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑफर के झांसे में न आएं।

बीडीओ ने किया विकास कार्यों की समीक्षा, कार्य में प्रगति लाने का दिया निर्देश

कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : बीडीओ

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड सभागार कक्ष में गुरुवार को बीडीओ सह सीओ मोहम्मद युसूफ की अध्यक्षता में विकास कार्यों की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना, 15वें वित्त आयोग, निर्वाचन कार्य, जनगणना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं लघु सिंचाई गणना सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान बीडीओ मोहम्मद यूसुफ ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की समीक्षा के दौरान सभी पंचायत सचिवों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पेंशन सत्यापन के लिए प्रत्येक पंचायत में विशेष शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। ताकि पात्र लाभुकों का सत्यापन समय पर पूरा हो सकें और किसी भी अपात्र व्यक्ति को योजना का लाभ न मिलें। वहीं 15वें वित्त आयोग की योजनाओं की समीक्षा

करते हुए बीडीओ ने निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इससे संबंधित सभी अभिलेखों का रखरखाव भी व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से किया जाएं। वहीं लघु सिंचाई गणना के कार्य की समीक्षा के दौरान बीडीओ ने सभी जनसेवकों को सख्त हिदायत दी कि इस महत्वपूर्ण गणना का कार्य आगामी 30 जून तक हर हाल में शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया जाएं। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। वहीं मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में बीडीओ ने कड़ा रुख अपनाते हुए सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले 5 पंचायतों के पंचायत सचिवों को फटकार लगाते उन्हें एक सप्ताह के भीतर प्रगति लाने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा में सुधार नहीं आने पर संबंधित सचिवों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लंबित पड़ी मनरेगा योजनाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश सभी कनीय अभियंताओं को दिया गया। वहीं बीडीओ ने कहा कि सभी लंबित कार्यों को भौतिक रूप से शीघ्र पूर्ण करते हुए एमआईएस (प्रबंधन सूचना प्रणाली) पोर्टल पर भी तत्काल अपडेट किया जाएं। ताकि ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रगति में सामंजस्य बना रहें। वहीं निर्वाचन संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए बीडीओ ने सभी सुपरवाइजरों को मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत मैपिंग कार्य में तेजी लाने और एएसडीडी (आब्सेंट,शिफ्टेड,डुप्लीकेट एंड डेड) सूची को निर्धारित प्रारूप में जमा करने का निर्देश दिया। जिससे मतदाता सूची की त्रुटियों को दुरुस्त किया जा सकें। मौके पर प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सूर्य नारायण चौधरी,बीपीओ श्वेता, गगन बापू,प्रखंड समन्वयक अभिजीत कुमार, प्रधान सहायक गौतम कुमार झा,प्रमोद कुमार, रवि कांत रवि,सहायक अभियंता विकास कुमार,कनीय अभियंता मो. एहसानुल जमील, भैया बेसरा,दीप नारायण मंडल,विनोद मंडल, राकेश कुमार,राजीव रंजन,मो. शाहजहां अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

मदरसा शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष बने अब्दुल मन्नान, सचिव मो. अलाउद्दीन

बिभा संवाददाता

बरहरवा। मदरसा अखवानुल मुस्लेमीन अंधारकोठा बरहरवा में गुरुवार को साहेबगंज जिला मदरसा शिक्षक संघ की बैठक मो.सफीक आलम की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला कमेटी के पुनर्गठन,वेतन भुगतान,बच्चों के लिए किताब, साईकिल, छात्रवृत्ति, पोषक मुहैया कराने को लेकर चर्चा किया गया। वहीं पूर्व कमेटी को भंग कर जिला कमेटी का पुनर्गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से लगातार पांचवीं बार जिला सचिव के रुप में मो.अलाउद्दीन का चयन किया गया। वहीं जिला अध्यक्ष के रुप में मदरसा युसूफिया के सहायक शिक्षक अब्दुल मन्नान का चयन किया गया।साथ ही जिला उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष खैरुल इस्लाम,उप सचिव मो.इसराईल,कोषाध्यक्ष मोबारक करीम जौहर, सदस्य मो.जियाउल हक,मामुद हसन, मो.नफील अहमद,मो.सुजाउद्दीन, मो.जकी अहमद, मंजर इमाम, मो.साजाहन,अंबर हमजा व मो.इसाहक अंसारी का चयन किया गया। इस दौरान नव निर्वाचित जिला सचिव ने कहा कि शिक्षकों ने जो जिम्मेदारी दी है,उसे इमानदारी से निर्वाहन करुंगा और शिक्षकों के हित में काम करुंगा। मौके पर मो.गियासुद्दीन,मो.बेनाम, खुर्शीद आलम,अब्दुल वाहिद,नसीम अख्तर,मो.नईम अख्तर,मो.रैहान सहित अन्य मौजूद थे।

नपं अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने किया अनुमंडल अस्पताल का औचक निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

राजमहल। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए राजमहल नगर पंचायत अध्यक्ष मो. केताबुद्दीन शेख एवं नपं उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने संयुक्त रूप से गुरुवार को अनुमंडल अस्पताल राजमहल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग), आईपीडी,अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे कक्ष,पैथोलॉजी प्रयोगशाला,दवा वितरण केंद्र के साथ-साथ डॉक्टरों और एएनएम की ड्यूटी रोस्टर की बारीकी से जांच की। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों के बीच पहुंचकर उनसे इलाज व सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसी दौरान कई मरीजों ने बताया कि अस्पताल के बेडों पर बिछाने के लिए

चादर उपलब्ध नहीं है। इस पर तुरंत नगर पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने अस्पताल प्रबंधन को सख्त हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मरीजों को स्वच्छ और बेहतर माहौल में इलाज मिलना उनका मूल अधिकार है। यह बेहद शर्मनाक है कि बेड पर मरीजों को चादर तक नसीब नहीं है। यह लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को सभी बेडों पर साफ चादर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मूलभूत समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर पंचायत की ओर से जल्द ही अनुमंडल अस्पताल को नई चादरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध करा दिया जाएगा। ताकि भविष्य में किसी मरीज को इस तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों और स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और सेवाभाव बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बेलदारचक में शार्वील टीवीएस शोरूम का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

तालझारी। राजमहल प्रखंड क्षेत्र के बेलदारचक के समीप गुरुवार को शार्वील टीवीएस शोरूम का उद्घाटन थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने फीता काटकर किया। इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन एजेंसी का विस्तार स्वागतयोग्य कदम है। इससे लोगों को बाइक खरीदने और सर्विसिंग कराने के लिए राजमहल या जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अब तालझारी के उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होगी। वहीं शोरूम के प्रोपराइटर सुधांश कुमार ने बताया कि यहां टीवीएस कंपनी की विभिन्न मॉडलों की बाइकें उपलब्ध है। ग्राहकों की सुविधा के लिए फाइनेंस की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही बिक्री के बाद सर्विस और स्पेयर

पार्ट्स की समुचित सुविधा भी दी जाएगी। अधिकृत टीवीएस डीलरशिप में आम तौर पर बिक्री,सर्विस और वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही उन्होंने कहा कि तालझारी में पहली बार इस प्रकार का शोरूम खुलने से आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को विशेष लाभ मिलेगा और उन्हें बेहतर ग्राहक सेवा का अनुभव प्राप्त होगा। कार्यक्रम में रघुनाथ प्रसाद,छद्दू प्रसाद,चरण हांसदा,मो. मजहर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने शोरूम के उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

बिरसा हरित ग्राम योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के समन्वित प्रयास से मंडरो प्रखंड में गुरुवार को आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख शीला देवी द्वारा फीता काटकर किया गया। मेले में प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से आई महिला किसानों ने मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत उत्पादित आम की विभिन्न उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण किस्मों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों की विविधता,गुणवत्ता एवं किसानों की मेहनत ने सभी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर जेएसएलपीएस के सखी मंडलों की

महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। पंचायत तेतरिया,सिमरा, बच्चा,खैरवा,बसहा,दामिनभिट्टा एवं गडरा की बिरसा हरित ग्राम योजना से लाभान्वित महिला किसानों ने अपने बागवानी उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए योजना से प्राप्त लाभ एवं अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान बीपीओ अभिषेक आनंद ने प्रखंड प्रमुख का स्वागत करते हुए उपस्थित जनसमुदाय को बिरसा हरित ग्राम योजना की उपलब्धियों एवं मनरेगा तथा जेएसएलपीएस के सफल समन्वय की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना ग्रामीण परिवारों,विशेषकर महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को इस महत्वाकांक्षी योजना से जोड़ने तथा बागवानी आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए सभी को प्रेरित किया। वहीं प्रखंड प्रमुख शीला देवी ने महिला किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने,पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। उन्होंने किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण,पंचायत सचिव दयानंद प्रसाद,संतोष हेम्ब्रम,निकोलस मरांडी,जेएसएलपीएस की टीम,ग्रामीण किसान सहित अन्य मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या: जीएसयू/इलेक्ट/एएसएन/2025/06/आर2, दिनांक: 17.06.2026। उप सीपीएम/विद्युत/जीएसयू/आसनसोल/पूर्व रेलवे, डीआरएम कार्यालय के बगल में, आसनसोल-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वैध वियुतीय ठेकेदार का लाइसेंस और सुपरवाइजरी लाइसेंस रखने वाले तथा निम्नलिखित कार्य को आर्थिक रूप से पूरा करने में सक्षम आवश्यक निविदादाताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस संख्या: जीएसयू-इलेक्ट-एएसएन-2025-06-आर2। कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल में इलेक्ट्रिकल (सामान्य) पोर्शन कार्य के लिए खुली निविदा: (क) तुलसीटांड़ में अप लूप, (ख) छोटा अम्बोना में अप द्वितीय लूप का प्रावधान, (ग) तपसी में डीडी-2 लाइन से/तक सीधे रिसेप्शन/डिस्पैच सुविधाओं के साथ स्टेशन यार्ड का रीमॉडलिंग और (घ) गति शक्ति यूनिट, आसनसोल के अधीन सोनाचारा में आइसोलेशन के साथ पूरी लम्बाई की लूप। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,49,82,954.16। **बयाना राशि:** ₹ 4,99,700। **बंद होने की तारीख और समय:** 13.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। कार्य के लिए **प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 60 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।

(ASN-142/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

फीफा विश्व कप : डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। लुई डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में कोलंबिया ने अपने पहले ही मैच में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। इस मुकाबले में कोलंबिया की जीत के नायक रहे अनुभवी खिलाड़ी लुई डियाज़। डियाज ने एक गोल करने के साथ ही एक अन्य गोल में सहायता की थी। यह जीत कोलंबिया के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उसने अपने पहले ही मैच में दमदार प्रदर्शन करते हुए आगामी मुकाबलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है।इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष हुआ। कोलंबियाई टीम की ओर से पहले हाफ के 40वें मिनट में डियाज़ के शानदार पास पर डेनियल मुनोज ने कर गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं इसके बाद दूसरे हाफ में

उज्बेकिस्तान ने वापसी के प्रयास किये और 60वें मिनट में फैजुल्लायेव अब्बोसबेक ने गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोलंबियाई टीम ने 65वें मिनट में डियाज़ के गोल से फिर बढ़त हासिल कर ली। इससे कोलंबिया 2-1 से आगे हो गयी। इसके बाद जैमिंटन कैम्पाज ने कोलंबिया की ओर से तीसरा गोल दागकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। स्कोर 3-1 होने से उज्बेकिस्तान की वापसी संभव नहीं हुई। यह मैच उज्बेकिस्तान के लिए ऐतिहासिक था, क्योंकि उन्होंने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में एस्टाडियो एज्टेका में अपना पहला फीफा विश्व कप मैच खेला। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज कोलंबिया को 50वें स्थान की टीम उज्बेकिस्तान पर जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, और टीम ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत के साथ, कोलंबियाई टीम ग्रुप में पुर्तगाल और कांगो से आगे निकलकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब कोलंबिया का मुकाबला मैक्सिको के ग्वाडालाजारा में कांगो से होगा, जबकि उज्बेकिस्तान की टीम ह्यूस्टन में दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम से खेलेगी।

बॉक्सिंग वर्ल्ड कप: भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी ने पोलैंड की बॉक्सर को 5-0 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के गुइयांग में आयोजित बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज-2) में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारत की स्टार बॉक्सर मीनाक्षी ने दमदार जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 51 किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

48 किलोग्राम वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर-1 मीनाक्षी ने ओलंपिक 51 किलोग्राम वर्ग में खेलते हुए पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया।

हालांकि पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में भारत के अविनाश जमवाल को किर्गिस्तान के मिर्ज़ोखिद इमामनाज़ारोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया।

अब तक भारत के पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके हैं। इनमें निखिल (55 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), मीनाक्षी (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा) और सनेह (65 किग्रा) शामिल हैं। वहीं ज्योति (48 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए पदक पहले ही पक्का कर चुके हैं।

टूर्नामेंट के पांचवें दिन चार भारतीय मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में उतरेंगे। महिलाओं के वर्ग में मीनाक्षी का सामना कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा, सनेह का मुकाबला पोलैंड की किंगा क्रोव्का, जबकि प्राची का मुकाबला चीनी ताइपे की शिह यी वू से होगा। पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में निखिल का सामना अजरबैजान के अमीन मम्मदज़ादा से होगा।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन (एजेंसी)। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है।

केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच का अपना दूसरा गोल दागकर अपने देश के लिए एक नया इतिहास रच दिया। अब हैरी केन और गैरी लिनेकर दोनों के नाम 12 विश्व कप मैचों में 10-10 गोल दर्ज हैं।

हैरी ने पहली बार फीफा विश्व कप साल 2018 में खेला था, जहां उन्होंने अपने पहले ही टूर्नामेंट में 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीता था और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद 2022 के विश्व कप में 2 गोल किये थे।

फुटबॉल की दुनिया में केन का नाम इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में पहले से ही दर्ज है। उन्होंने 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, और 2020 व 2024 के यूरो कप फाइनल जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में इंग्लैंड की ओर से गोल किये थे।

इंग्लैंड के लिए फीफा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में केन और लिनेकर दोनों ही 10 गोल के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ज्योफ हर्स्ट 6 मैचों में 5 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि दिग्गज बॉबी चार्लटन ने 14 मैचों में 4 गोल किए हैं। माइकल ओवेन ने भी 12 मैचों में 4 गोल दागे हैं। डेविड बेकहम, स्टीवन गेरार्ड, मार्कस रैशफोर्ड, रोजर हंट, डेविड प्लैट, बुकायो साका और नेट लॉफ्टहाउस जैसे खिलाड़ियों ने 3-3 गोल किये है।

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया

कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

नयूजर्सी (एजेंसी)। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी।

रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये।

वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 291 रन बनाये

केनिंग्टन ओवल ।न्यूजीलैंड ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में शुरू हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 77 ओवरों में 7 विकेट पर 291 रन बना लिए थे। स्टंप के समय ग्लेन फिलिप्स 49और काइल जैमीसन 6 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने टॉस जीतकर मेहमान कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसके गेंदबाजों ने शुरुआती विकेट गिरा दिये पर कीवी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने हालात संभाल लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे केवल 9 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद कप्तान टॉम लैथम और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभाला। लैथम ने 75 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हेनरी निकोल्स ने 24 रनों की पारी खेली। एक समय न्यूजीलैंड ने 79 रनों पर ही अपने 3 खिलाड़ी खो दिये थे। इसके बाद कठिन समय में रचिन रवींद्र और डैरिल मिचेल ने पारी संभाली। रचिन ने 51 गेंदों में 6 चौकों की सहायता से 33 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल ने डैरिल मिचेल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की शानदार साझेदारी की. मिचेल ने 74 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 44 रनों की अच्छी पारी खेली। वहीं ब्लंडेल ने अर्धशतक बनाया। ब्लंडेल ने 51 रनों की पारी खेलकर कीवी टीम को संभाला। ब्लंडेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने तेजी से रन बनाये। उन्होंने नाबाद 49 रनों की पारी खेली। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों की बात करें तो स्पिन ऑलराउंडर जैकब बेथेल ने 5 ओवरों में 8 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए।

अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं शुभमन

लखनऊ ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतक लागने के बाद भी खुश नहीं है। शुभमन के अनुसार उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना था पर वह पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम को बड़ी जीत मिली। शुभमन ने इस मैच में कठिन हालातों के बीच भी 154 रनों की पारी खेली। शुभमन ने मैच के बाद खुलासा किया कि उनका लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था, जो वह हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद अपनी टीम टीम की 170 रन की जीत को लेकर शुभमन ने बल्लेबाजी पर संतोष जताया पर कहा कि वह अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, मैं जहां गेंद को मारना चाह रहा था, गेंद वहीं जा रही थी। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ था। मेरा लक्ष्य मैच जल्दी समाप्त करना और 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था। मैं 200 रन बनाना चाहता था पर लगातार शॉट खेलने के दबाव में डीप कवर पर कैच आउट हो गया। मैं चाहता था कि टीम 430 रन तक पहुंचे। शुभमन ने माना है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें सूजन और जकड़न की समस्या का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, थोड़ी तकलीफ थी, शरीर में अलग-अलग जगहों पर ऐंठन हुई। बहुत गर्मी थी, लेकिन मैंने 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी की। अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और अच्छी स्थिति में हूं। उन्होंने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा। शुभमन ने कहा, टॉस से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। अगर हमें 310-320 रन का लक्ष्य मिला होता तो टीम पर अच्छा दबाव होता। सब कुछ अच्छी स्थिति में है। तेज गेंदबाज लगातार सही जगह पर गेंदबाजी कर रहे हैं, जो आसान नहीं है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहीदी अपनी टीम के प्रदर्शन, खासकर गेंदबाजों से निराश दिखे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

भारत के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले हॉकी स्टार मनप्रीत ने फिटनेस को दिया श्रेय, कोहली को मानते हैं आदर्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह ने इतने लंबे करियर का श्रेय फिटनेस को देते हुए कहा कि वह इस मामले में चैम्पियन क्रिकेटर विराट कोहली का अनुसरण करते हैं। मनप्रीत ने बुधवार को स्त्रद्धा प्रो लीग में जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की का 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा। अब 413 मैचों के साथ वह सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और शीर्ष पांच में अकेले सक्रिय खिलाड़ी हैं।

इस अनुभवी मिडफील्डर ने रोटरडम से मीडिया से आनलाइन बातचीत में कहा, 'सभी को पता है कि विराट फिटनेस को कितनी अहमियत देते हैं। मेरे लिए ही नहीं बल्कि हर खिलाड़ी के लिए वह आदर्श है। हर कोई उनसे सीखता है कि शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा खेलने के लिये कैसे फिट रहना है।' उन्होंने कहा, 'मैने भी उनसे काफी कुछ सीखा है। वह मैदान पर आक्रामक रहते हैं और अपना शत प्रतिशत देते हैं। वह भी मेरी तरह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रशंसक हैं। वह भी काफी ध्यान रखते हैं कि क्या खाना है और क्या नहीं।'

तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को 41 साल बाद कांस्य पदक दिलाने वाले पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के लिए लंबे समय तक खेलने की ललक ने उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए खेलते रहने की ललक ने मुझे फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। विश्व स्तरीय हॉकी में फिट रहना बहुत जरूरी है और उम्र के साथ मैने इस पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है।'

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी ख्वाहिश विश्व कप में पदक और ओलंपिक स्वर्ण जीतने की है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना ओलंपिक स्वर्ण और विश्व कप में पदक जीतना है। मुझे पता है कि युवाओं से प्रतिस्पर्धा के लिए फिट रहना जरूरी है। मेरा परिवार मुझे हमेशा इसके लिए प्रेरित करता है।' मनप्रीत ने अगले लक्ष्य के बारे में कहा, 'मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलना चाहता हूं लेकिन उसके लिए फिट रहना होगा। मैं इस पर मेहनत कर रहा हूं। एशियाई खेलों के बाद अपनी फिटनेस का आकलन करूंगा और लगता है कि पूरी तरह फिट नहीं हूं तो फैसला लूंगा।'

विश्व कप के पहले सप्ताह में कई गुमनाम खिलाड़ियों ने प्रभाव छोड़ा

टोरंटो । वे लियोनेल मेस्सी जैसे नहीं हैं, वे काइलियान एमबाप्पे जैसे नहीं हैं। वे एर्लिंग हालैंड या हैरी केन जैसे भी नहीं हैं। विश्व कप में फुटबॉल के सबसे बड़े नाम ही सुर्खियां नहीं बटोर रहे हैं, कुछ ऐसे कुछ गुमनाम खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। इन खिलाड़ियों में केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा भी शामिल हैं। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इससे इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या एक करोड़ 30 लाख तक पहुंच गई है। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे छोटे देश की तरफ से पहला गोल किया। क्यूरासाओ के प्रशंसकों को शायद जर्मनी के हाथों अपनी टीम की 7-1 से मिली करारी हार याद न हो लेकिन उन्हें कोमेनेंसिया का गोल हमेशा याद रहेगा। कतर के बौलेम खौखी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। इस 35 वर्षीय सेंटर बैक को भले ही गोल का श्रेय नहीं मिलेगा, लेकिन उनकी बदौलत ही कतर ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच ड्रॉ कराया। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ मिलकर गेंद पर नियंत्रण बनाने के लिए छलांग लगाई। इस तरह से उन्होंने मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर किया। बोस्निया और हर्जेगोविना के जोवो लुकिच ने कनाडा के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले अपने देश के लिए कभी गोल नहीं किया था। कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण उन्हें इस मैच में खेलने का मौका मिला और वह गोल करने में सफल रहे। न्यूजीलैंड के एलिजा जस्ट ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया। ईरान के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में उन्होंने दो गोल करके न्यूजीलैंड के लिए यह मैच यादगार बना दिया। मिस्र के इमाम अशूर ने भी विश्व कप मैच में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला गोल किया। उनके शानदार गोल से मिस्र ने यूरोपीय दिग्गज बेल्जियम को 1-1 से बराबरी पर रोका।

डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा की वापसी, श्रीलंका के उभरते हुए स्टार पथिरागे से होगा मुकाबला

दोहा (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि जब वह शुक्रवार को यहां दोहा डायमंड लीग में फॉर्म में चल रहे शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ वापसी करेंगे तो चोट के कारण प्रतियोगिताओं से अनुपस्थिति उनकी लय को प्रभावित नहीं करेगी। इसमें भाग लेने वाले शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों में श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश थरंगा पथिरागे भी शामिल होंगे जिन्होंने कुछ दिन पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है।

दूसरी ओर 28 वर्षीय चोपड़ा पीठ की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए थे और इस प्रतियोगिता में वह 84.03 मीटर के औसत थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे थे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कतर स्पोर्ट्स क्लब में वह शुरुआत से ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। दोहा उनके लिए भाग्यशाली रहा है। यहीं पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने पिछले साल मई में 90 मीटर का थ्रो किया था। वह 90.23 मीटर के थ्रो से जर्मनी के जूलियन वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

यह प्रतियोगिता 8 मई को सत्र की शुरुआत के तौर पर आयोजित होने वाली थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया था। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद 25 मई से स्विट्जरलैंड में ट्रेनिंग कर रहे चोपड़ा को नौ खिलाड़ियों वाले इस ग्रुप में देर से शामिल किया गया। चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैंने डेढ़ महीने पहले थ्रो करना शुरू किया और हमने जल्दबाजी नहीं की। फिर मैंने दोहा (आयोजकों) से पूछा कि क्या यह संभव है कि मैं उन्हें एक हफ्ता पहले दोहा डायमंड लीग में भाग लेने के बारे में बताऊं। वे सहमत हो गए और फिर अंतिम सत्र के बाद हमने तय किया कि चोट ठीक है और दोहा में हिस्सा लेते हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बार फिर 90 मीटर थ्रो का लक्ष्य बना रहे हैं तो चोपड़ा ने कहा, 'मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। मैं बहुत अच्छा और फिट महसूस कर रहा हूं, देखते हैं कल क्या होता है।' चोपड़ा को रविवार को आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत की 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में शामिल किया गया। इसके लिए उन्हें भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के 82.61 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल करना होगा जो उनके मानकों के हिसाब से कोई मुश्किल काम नहीं है।

चोपड़ा का मुकाबला पथिरागे से होगा जो इस सत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। चार जून को डायमंड लीग के रोम चरण में 92.62 मीटर के शानदार थ्रो से यह 24 साल का श्रीलंकाई खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में शीर्ष पर बना हुआ है। वह 90 मीटर का अहम आंकड़ा पार करने वाले चौथे एशियाई और कुल मिलाकर 28वें खिलाड़ी बन गए। इस सत्र में पथिरागे ने दो बार 89 मीटर से ज्यादा का थ्रो किया है। वह प्रतिष्ठित गोल्डन स्पाइक मीट में 86.57 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल करने के बाद दोहा डायमंड लीग में आए हैं। रोम में उनका प्रदर्शन पाकिस्तान के अरशद नदीम के पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले 92.97 मीटर के थ्रो से थोड़ा कम था, लेकिन उन्होंने चीनी ताइपे के चाओ-त्सुन चेंग (91.36 मीटर) और चोपड़ा (90.23 मीटर) को पीछे छोड़ दिया। उनका थ्रो दुनिया की सर्वकालिक सूची में आठवें नंबर पर है। यह नदीम के 2024 ओलंपिक फाइनल के प्रयास के बाद दुनिया का सबसे अच्छा थ्रो भी था। चोपड़ा और पथिरागे तीसरी दफा एक दूसरे के आमने सामने होंगे और यह डायमंड लीग के मंच पर उनकी पहली भिड़ंत होंगी।

दोनों का रिकॉर्ड अभी तक 1-1 से बराबर रहा है। चोपड़ा ने जुलाई 2025 में बेंगलुरु में आयोजित एन सी क्लासिक में स्वर्ण पदक जीता था जबकि पथिरागे 84.34 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि, पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे जबकि पथिरागे 84.38 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, 'यह सच में कमाल की उपलब्धि है। वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है, मेरा अच्छा दोस्त है। उसने श्रीलंका के लिए जो किया है, मैं उसके लिए खुश हूं।'

दोहा डायमंड लीग में शामिल अन्य खिलाड़ियों में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशोर्न वालकॉट, ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, अमेरिका के विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता कर्टिस थॉम्पसन, कीनिया के जूलियस येगो, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच, मिस्र के मोहम्मद हुसैन अहमद सामेह और आर्तुर फेल्फनर शामिल हैं। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने 12 जून को अपनी भागीदारी की घोषणा के बाद अपना नाम वापस ले लिया।

टी20 महिला विश्वकप : भारतीय टीम नीदरलैंड को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

लंदन ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में नीदरलैंड के खिलाफ 95 रनों की बड़ी जीत दर्ज कर ग्रुप-ए की अंकतालिका में चार अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। इससे पहले भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 64 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम17.3 ओवर में 114 रन पर ही सिमट गयी। भारतीय टीम ने की ओर से स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत की। दोनों खिलाड़ियों ने 70 गेंदों में ही 115 रन बना दिये। शेफाली 38 गेंदों में 10 चौकों के साथ 55 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। वहीं मंधाना ने जेमिमा के साथ दूसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 47 रन बनाये। मंधाना ने 47 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 74 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से ऋचा 20 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 12 रन बनाये। डच टीम की ओर से कैरोलिन डी लैंग ने 2 विकेट लिए। वहीं आइरिस ज्विलिंग, हीथर सीगर्स और मर्थे वैन डेन राड को 1-1 विकेट मिला। डच टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.3 ओवरों में 114 रनों पर ही आउट हो गयी। हीथर सीगर्स ने सबसे अधिक 21 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने 19 रन देकर 4 विकेट जबकि शेफाली वर्मा ने 20 रन देकर 3 विकेट निकाले। 2 विकेट नंदिनी शर्मा को मिले।

चट्टान में बना झोपड़ी में रहने को मजबूर किसान रतनु मुण्डा का परिवार

रतनु मुण्डा का जीवन दर्दभरा है उन्हें जल्द आवास दिया जाएगा : बीडीओ

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के खूँटी प्रखंड का एक ऐसा मामला जो बिरहू पंचायत क्षेत्र के सिलादोन गाँव निवासी रतनू मुण्डा और उसकी पत्नी व एक बेटा चट्टान में झोपड़ी बनाकर विगत 15 वर्षों से रह रहे रतनु मुण्डा को अब तक सरकार के लाभान्वित योजना के तहत आवास नहीं मिला। खूँटी के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने केवल आश्वासन दिया लेकिन घर नहीं । पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लाभान्वित करने के नाम पर कई बार शिविर लगाया गया लेकिन रतनु की गरीबी के कारण उसे कोई महत्व नहीं दिया गया जबकि कई लोगों के घर होने के बावजूद जिले में आवास पहले सबल लोगों को मिला। जिन्होंने ने भी लिस्ट बनायी ऐसे लोगों को उपेक्षित किया गया जबकि इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। लेकिन अब प्रतिदिन बारिश और वज्रपात वाले इस क्षेत्र में रतनु का परिवार आवास नहीं होने के कारण चट्टान में ही झोपड़ी में रहकर गुजर-बसर करने को मजबूर हैं। किसी तरह किसानी मजदूरी करके जीवन यापन करनेवाला रतनु मुण्डा दुख

के आंसू रोने को मजबूर है। झोपड़ी में अनाज रखने को जगह नहीं है इसलिए उपजाए गये धान को चट्टान में रखना पड़ रहा है। बरसात ना नहीं होने पर पेड़ के नीचे सोते हैं। उनकी सुरक्षा में उनके पाले गये कुत्ते करते हैं। भयभीत वातावरण में जीवन यापन कर रहे रतनु मुण्डा के मामले पर समाचार चलने के बाद उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने कहा कि समाचार के माध्यम से जानकारी मिला कि रतनु मुण्डा की दयनीय स्थिति है, उसके घर प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिए। जिसके बारे में पूरी जानकारी लेंगी और उसे आवास नहीं मिला है तो उसे आवास दिया जाएगा और सरकार के अन्य योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा।

जिसकी जानकारी मिलने और उपविकास आयुक्त के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने उसके घर जाकर मामले को समझी। साथ ही, पहले उसके घर की परिस्थितियों का जायजा ली फिर वर्तमान में उन्होंने एक प्लास्टिक तिरपाल प्रदान की । साथ ही, उन्हें बाबा वास योजना का लाभ दिलाने के लिए चिन्हित की। उन्होंने पारिवारिक परिस्थिति को देख अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित करने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि उपविकास आयुक्त के द्वारा और मिडिया से मिली जानकारी व सर के निर्देश ये जगह देखने को मिला। पर , ताज्जुब की बात है कि ये लाभ 10-12 वर्ष पहले आखिर क्यों नहीं मिला , ऐसे लोगों को तो उसी समय लाभ मिल जाना चाहिए था। इस प्रकार के लोगों को लाभ मिलना ही चाहिए था।

उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना के लिए जो भी फार्म भरते हैं उसमें उम्र के आधार पर चयन प्रक्रिया ऑटोमैटिक ले लेता है। ऐसे में गरीब के कलावे जो बहुत अधिक जरुरतमंद नहीं भी हो उसे पहले मिल जाता है। इस प्रकार अन्य जरुरतमंद लोग पीछे रह जाते हैं। इसका भी नाम आवास सूची में है । पर , जब इसकी सारी आएगी तभी मिल पाएगा। लेकिन उसके पहले इसे अम्बेडकर आवास योजना से घर मिल जाए तो अच्छा होगा। साथ ही, उसे शौचालय भी दिया जाएगा?।

रतनु की पत्नी पुष्पा संगा ने बताई कि गरीबी की मजबूरी के कारण एक चदरा और प्लास्टिक तानकर झोपड़ी में रहते हैं। घर के बाहर चुल्हा है जहाँ खाना बनाते हैं। धान रखने तक का जगह नहीं है इसलिए चट्टान के उपर ही प्लास्टिक ढंककर धान रखते हैं। घर में दो चार बकरियाँ हैं और मुर्गी पाले है। पशुपालन कि पैसा मिलने की बात कही गयी लेकिन वो भी नहीं मिला। प्रधानमंत्री आवास और अबुआ आवास के लिए 2013 ई से फार्म भरते आ रहे हैं। लेकिन अबतक आश्वासन ही मिला आवास का कहीं कोई ठिकाना नहीं । इसलिए जैसे तैसे रहना पड़ रहा है।

पल्स पोलियो अभियान को सार्थक बनाते हुए सुयोग्य सभी लोग को पिलाएं खुराक : ज्योति

खूँटी । जिले में पल्स पोलियो का अभियान 28 जून से चलने वाला है। इसके तहत प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने वृहस्पतिवार को अर्बन पीएचसी का दौरा करें वहां के कर्मियों के साथ बैठक की और शहर में लगनेवाले शिविर के बारे चर्चा की। वहीं उन्होंने निर्देशित किया कि कोई भी लोग इस अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य सहिया और आंगनबाड़ी सेविकाओं भी बतलाना है कि 28 जून से पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसपर सुयोग्य लोगों का चयन करें और शिविर में पहुंचने की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि कहाँ-कहाँ किस जगह पर शिविर लगेगा इसकी जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। ताकि उक्त स्थान तक लोग आ पावें। फिर बचे हुए लोगों यानि जिन बच्चों को पोलियो की खुराक किसी कारण वश नहीं पिला पाए जाते हैं तो उन्हें घर जाकर भी पिलाना है। इसके लिए ये तय कर लेंगे कि कौन कहां रहेगा।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष समिति ने किया आंदोलन का ऐलान

बिभा संवाददाता

खूंटी। नगर पंचायत क्षेत्र स्थित डाक-बंगला में गुरुवार को भगवान बिरसा मुंडा जल, जंगल, जमीन बचाओ संघर्ष समिति, खूंटी जिला की विशेष बैठक पूर्व पार्षद चार्ल्स पाहन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समिति के जिला अध्यक्ष जोनसन होरो ने संगठन के उद्देश्यों और वर्तमान परिस्थितियों में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक मार्शल बरला ने पाँचवीं अनुसूची, आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। आदिवासी समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रभात मुंडा ने पेसा नियमावली, एसआईआर, परिसीमन तथा जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए समाज को शिक्षित, संगठित और जागरूक रहने का आह्वान किया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर आदिवासी-मूलवासियों के बीच सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों, कथित सिंडीकेटों तथा जल, जंगल और जमीन के माफियाओं के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान जल, जंगल, जमीन बचाओ संघर्ष समिति, खूंटी प्रखंड का गठन भी किया गया। विमल मुंडा को अध्यक्ष, बा सिंह मुंडा को सचिव, गोपाल मुंडा को कोषाध्यक्ष, नरेश तिर्की को मीडिया प्रभारी तथा विक्की श्रीवास्तव को सह मीडिया प्रभारी चुना गया। बैठक में शिबू होरो, जोसेफ होरो, हेमंत तोपनो सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कारा सुरक्षा समिति की बैठक कर जेल सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त ने अधिकारियों संग कारा सुरक्षा समिति की बैठक किया। बैठक में जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने एवं परिसर में अनुशासन सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

उपायुक्त ने उप-कारा, खूंटी में लगाए गए सुरक्षा उपकरणों, जैसे सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य यांत्रिक उपकरणों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और इनके सुचारु संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक की संभावना न रहे। जेल में सभी कैदियों को मेनू अनुसार भोजन एवं स्टॉक पंजी के नियमित रूप से संधारण के निर्देश दिए गए। रात्रि के समय चिकित्सा उपचार हेतु चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी सह उपकारा अधीक्षक दिपेश कुमारी, डीएसपी मुख्यालय, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जोजोहातु में महिला का बाल काटने का मामला सामने आया, होगा ग्राम सभा

बिभा संवाददाता

खूँटी । मारंगहादा थाना क्षेत्र के जोजोहातु गाँव में एक महिला के बाल काटने का मामला सामने आया है। आरोपी द्वारा एक महिला का बाल काट दिया गया। जिसकी जानकारी के बाद पीड़ित महिला व उसके परिवार मारंगहादा थाना गये थे। जहाँ थाना प्रभारी द्वारा समझा-बुझाकर भेज दिया गया। वहीं ग्रामीण बाल काटने के इस मामले पर काफी आक्रोशित हैं। वहीं पीड़िता का पुत्र छोटराय मुण्डा और अन्य लोगों ने बताया कि गाँव में मुरहू थाना क्षेत्र का एक आदमी जोजोहातु में रहकर मुर्गी पालन करता है। लोगों का आरोप है कि पीड़िता महिला का बाल काट दिया गया है। वहीं थाना प्रभारी ने विकास जायसवाल ने बताया कि ऐसा कोई मामला नहीं आया है। केवल लड़का लड़की का मामला आया था। जिसपर बताया गया कि ग्राम सभा में फैसला कर लेने की बात कहा गया है। लेकिन अगर ऐसा मामला आएगा और लिखित शिकायत मिलेगा तो कार्रवाई होगी।

चान्हो प्रखंड के पंडरी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन, खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

बिभा संवाददाता

चान्हो (रांची): चान्हो प्रखंड के पंडरी गांव में आयोजित क्रिकेट टूनामेंट में खेल प्रेमियों और स्थानीय युवाओं का उत्साह देखने को मिला। टूनामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में खछडट रांची जिला अध्यक्ष खलील खान उपस्थित हुए। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लखिलाड़ी की पहचान बड़े मैदान से नहीं, बल्कि उसके जज्बे, मेहनत और प्रतिभा से बनती है। यदि खिलाड़ियों के दिल और मन में कुछ कर गुजरने का जुनून हो, तो वे किसी भी छोटे मैदान से अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

इस अवसर पर नगरी प्रखंड अध्यक्ष आदिल अंसारी, आदिल खान, नाकिब खान, सगीर अंसारी, फुरकान अंसारी, सैफ खान, नसीम अंसारी, अमन शहजाद (युवा कांग्रेस अध्यक्ष) सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टूनामेंट के सफल आयोजन में मैच ऑगेनाइजर अब्दुल हमीद, अबू ओसामा, सैफुल, इश्तियाक, हुजेफा, एजाज, साहिल, रॉकी खान, अरशद और तनवीर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मैदान में पहुंचे। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और रोमांचक मुकाबलों का आनंद लिया। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं।

कारोबार

वन नेशन, वन एक्सपो थीम के तहत भारत बिल्डकॉन 2026 का उद्घाटन

नई दिल्ली। देश में निर्माण सामग्री और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री को मजबूती देने के लिए 'वन नेशन, वन एक्सपो' प्रदर्शनी का गुरुवार को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन किया गया। पहले दिन यहां 25 हजार से अधिक आगंतुक प्रदर्शनी देखने आए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भवन निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योग के लिए आयोजित प्रदर्शनी भारत बिल्डकॉन 2026, वन नेशन, वन एक्सपो का उद्घाटन नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा सांसद पुरुषोत्तम रूपाला ने निर्माण एवं भवन सामग्री उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उद्योगों के लिए अवसरों के विस्तार में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भारतझब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच बढ़ने के साथ ही साथ व्यापार संबंधों के मजबूत होने की आशा है, जिससे भारतीय निमार्ताओं और निर्यातकों के लिए नए अवसर उत्पन्न होंगे। जितिन प्रसाद ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का भी उल्लेख किया, जिसमें गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए भारत को भरोसेमंद वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग गंतव्य के तौर पर स्थापित करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास निर्माण एवं भवन सामग्री सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए आवश्यक क्षमताएँ और संसाधन मौजूद हैं। प्रसाद ने कहा कि भारत बिल्डकॉन जैसे मंच निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों, खरीदारों, नीति-निमार्ताओं और उद्योग हितधारकों के बीच संवाद को सुगम बनाते हैं, इसके साथ ही इस क्षेत्र में अधिक सहयोग और व्यावसायिक अवसरों के विस्तार में योगदान देते हैं। यह प्रदर्शनी आगामी दिनों में भी जारी रहेगी और उद्योग सहभागिता, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तथा व्यावसायिक संवाद के लिए एक मंच प्रदान करेगी। मंत्रालय के मुताबिक भारत बिल्डकॉन 2026 में 90 से ज्यादा देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों की भागीदारी है। इस प्रदर्शनी में सिरेमिक्स और स्टोन, हार्डवेयर, सीमेंट और स्टील, प्लाइवुड और लैमिनेट्स, फर्नीचर, सैनिटरीवेयर, इलेक्ट्रिकल्स, पेंट्स, निर्माण प्रौद्योगिकियों तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों सहित 24 खंडों में उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह प्रदर्शनी भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, डेवलपर्स, ठेकेदारों, निमार्ताओं, व्यापारियों, नीति-निमार्ताओं, उद्योग संघों तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को एक साथ लाती है, जिससे उद्योग के बीच संवाद और व्यावसायिक सहयोग के लिए एक मंच उपलब्ध होता है।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे। वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया, क्योंकि अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर शुरुआती उत्साह यूएस फेड के सख्त बयानों से कुछ कम हो गया है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

शेयर बाजार में 26 अरब डॉलर के लॉक-इन खुलने की तैयारी

71 कंपनियों के प्री-आईपीओ व शुरुआती निवेशकों के शेयर होंगे लॉक-इन से मुक्त

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में अगले कुछ महीने निवेशकों के लिए काफी अहम रहने वाले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 जून से सितंबर 2026 के बीच 71 कंपनियों के लगभग 26 अरब डॉलर मूल्य के शेयर लॉक-इन अवधि से बाहर आ जाएंगे। इससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ सकती है, जिससे कुछ स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी शेयर तुरंत बिक्री के लिए आ जाएंगे, क्योंकि इसमें प्रमोटरों और समूह कंपनियों की बड़ी हिस्सेदारी होती है, जो अमूमन तुरंत बिक्री नहीं करते। फिर भी, लॉक-इन खत्म होने की तारीखें निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट बताती है कि 19 जून को आईसीआईसीआई प्रू एएमसी के 34.4 करोड़ शेयर (कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 70 फीसदी) लॉक-इन से मुक्त होंगे, जिस पर बाजार की पैनी नजर रहेगी।

घरेलू एयरलाइंस के मुनाफे में 10-15 फीसदी गिरावट का अनुमान

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। एक रेटिंग एजेंसी के अनुमान के मुताबिक इस वित्त वर्ष में घरेलू एयरलाइंस के परिचालन मुनाफे में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इसकी मुख्य वजह हवाई ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियां और पश्चिम एशिया में जारी टकराव के चलते रुपये की कमजोरी है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में लगभग 19,000 करोड़ रुपये रहा यह मुनाफा चालू वित्त वर्ष में घटकर 16,000-17,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। एजेंसी ने बताया कि किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में जेट ईंधन का हिस्सा सामान्यतः 40 प्रतिशत होता है, लेकिन कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह स्थिति एयरलाइंस के कामकाज, मार्ग योजना और किराये की स्थिरता को सीधे प्रभावित करती है। हालांकि, अगर पश्चिम एशिया में चल रहे टकराव का समाधान निकलता है और जेट ईंधन की कीमतें घटती हैं, तो एयरलाइंस को ईंधन लागत में और बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा।

श्रम संहिताओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्रणाली राज्यों से पोर्टल जोड़ने का आग्रह

देश में श्रम प्रशासन के लिए एक सुसंगत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने राज्यों से अपने-अपने श्रम पोर्टलों को केंद्र के श्रम सुविधा और समाधान पोर्टलों के साथ जोड़ने का आग्रह किया है। यह कदम देश में चार श्रम संहिताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और श्रम प्रशासन के लिए एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस पहल का उद्देश्य अनुपालन, पंजीकरण, निरीक्षण, शिकायत निवारण और विवाद समाधान पर केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। जिन राज्यों के पास पहले से अपने श्रम पोर्टल हैं, उन्हें अपने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को केंद्रीय प्लेटफार्मों

से जोड़ने को कहा गया है। वहीं, जिन राज्यों के पास समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, उन्हें केंद्र द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और एकीकरण में तकनीकी सहायता की पेशकश की गई है। मौजूदा स्थिति में, श्रम सुविधा पोर्टल पर राज्यों द्वारा एकीकृत सेवाओं में काफी भिन्नता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक ने 15 स्वीकृतियों को जोड़ा है, वहीं गुजरात और केरल में केवल दो-दो, जबकि कुछ राज्यों में कोई एकीकरण नहीं हुआ है।

श्रम सुविधा पोर्टल कानून अनुपालन के लिए और समाधान पोर्टल विवादों के निवारण के लिए है।

ये दोनों पोर्टल श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन में अहम होंगे। अधिकांश राज्यों ने मसौदा नियम तैयार किए हैं, लेकिन कई ने अभी तक अंतिम नियम अधिसूचित नहीं किए हैं।

हॉकी प्रो लीग : भारतीय टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

एजेंसी

रॉटरडैम (नीदरलैंड)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के रॉटरडैम चरण के अपने दूसरे मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलाकांत शर्मा (35वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ (45वें मिनट) ने किया।

यह मैच अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह के लिए एक यादगार रहा। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी बने और उन्होंने पूर्व दिग्गज दिलीप टिर्की का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मनप्रीत ने यह अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जबकि टिर्की ने 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

भारत ने मैच की शुरूआत अच्छी की और बॉल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, जिससे शुरूआत में ही दबाव बना। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला, जब मनदीप ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले 13वें मिनट में लाकड़ा ने शानदार शॉट लगाकर जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाया और स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस मजबूत बना रहा। जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 24वें मिनट में मिला, लेकिन अमित रोहिदास ने उसे रोक दिया। लगातार अटैक करने के बाद जर्मनी को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचाव किया और हॉफटाइम तक भारत की 2-0 की बढ़त बनाए रखी।

दूसरे हॉफ में भी भारतीय टीम गोल करने की कोशिश करती रही। उनकी मेहनत 35वें मिनट में रंग लाई, जब नीलाकांत ने शानदार गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए और गोल करने के बराबर मौके बनाए। आखिरकार, तीसरे क्वार्टर के खत्म होने में कुछ सेकेंड बाकी रहते हुए जर्मनी को सफलता मिली, जब राफेल हार्टकोफ ने 45वें मिनट में गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में भारतीय डिफेंस मजबूती से डटा रहा और जर्मनी को

महिला हॉकी नेशंस कप: भारत ने उरुग्वे को 3-2 से हराया

ऑकलैंड। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया, जिसमें अमेरिका, जापान और उरुग्वे पर लगातार तीन जीत शामिल हैं। अमेरिका पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए दीपिका (24वें मिनट, 56वें मिनट) और दीपिका सोरेंग (43वें मिनट) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए चियारा एपेंनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलार (55वें मिनट) ने गोल दागे। यह मैच मिडफील्डर नेहा के लिए एक खास मौका था, जिन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। मुकाबले के पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद उरुग्वे ने 13वें मिनट में चियारा के गोल से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि भारत ने जोरदार वापसी करते हुए हाफ टाइम से पहले अपनी शानदार फॉर्म में चल रही खिलाड़ी दीपिका के पेनल्टी कॉर्नर को 24वें मिनट में सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। पहले हॉफ के बाद भारत ने अपनी खेल की तीव्रता बढ़ाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग के शानदार गोल की बदौलत भारत ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। उरुग्वे ने वापसी करते हुए कप्तान मनुएला के गोल से बराबरी कर ली। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब दिया। महज एक मिनट बाद दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल दागकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी, जिससे भारत की जीत सुनिश्चित हो गई।

भुली में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर एवं क्षय रोग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिहान भारत

आसनसोल: विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा आसनसोल चिकित्सा विभाग के मार्गदर्शन में मल्टी डिसिप्लिनरी जोनल रेलवे ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमडीजेडआरटीआई), भुली में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इस महत्वपूर्ण मानवीय पहल में सहभागिता को प्रोत्साहित करना था।

रक्तदान अभियान में संस्थान के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें 25 प्रशिक्षुओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह कार्यक्रम स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व तथा जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रभावी माध्यम बना।

कार्यक्रम के अंतर्गत रेलवे कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं के लिए एक स्वास्थ्य जांच शिविर का भी समानांतर रूप से आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को प्रोत्साहित करना था। शिविर के दौरान चिकित्सकीय टीम द्वारा प्रतिभागियों का बॉडी मास इंडेक्स परीक्षण, रैंडम ब्लड शुगर जांच, लंबाई मापन एवं वजन परीक्षण किया गया।

इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान 100 दिवसीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, ताकि प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य विषयों के प्रति जागरूक किया जा सके। जागरूकता सत्र के दौरान चिकित्सकों ने क्षय रोग की रोकथाम, प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, समय पर जांच, उपलब्ध उपचार सुविधाओं तथा समग्र स्वास्थ्य संरक्षण हेतु निवारक स्वास्थ्य उपायों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की।

मंडलीय रेलवे अस्पताल, आसनसोल के चिकित्सा अधिकारियों एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा सभी गतिविधियों के सफल एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया।

यह कार्यक्रम पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा देने, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता सुदृढ़ करने तथा रेलवे कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं के बीच महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य विषयों पर व्यापक समझ विकसित करने हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

अनावश्यक चेन पुलिंग पर पूर्व रेलवे की कार्रवाई, मई में 58 पकड़े गए

कोलकाता: हजारों यात्रियों की दैनिक दिनचर्या को बाधित करने वाली छोटी-छोटी व्यक्तिगत लापरवाहियों का चौंकाने वाला खुलासा करते हुए पूर्व रेलवे ने आज मई 2026 के दौरान हुई अलार्म चेन पुलिंग घटनाओं से संबंधित आंकड़े जारी किए। 1 मई से 31 मई 2026 के बीच विभिन्न महत्वपूर्ण मंडलों में अनधिकृत चेन पुलिंग के कारण कुल 86 ट्रेनों को रोका गया था। आश्चर्यजनक रूप से, इन घटनाओं के पीछे वास्तविक आपातकाल नहीं, बल्कि अत्यंत सामान्य और विचित्र व्यक्तिगत कारण जिम्मेदार पाए गए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आसनसोल और हावड़ा मंडल सबसे अधिक प्रभावित रहे, जबकि मालदा और सियालदह मंडल भी इससे अछूते नहीं रहे। रेलवे सुरक्षा बल की जांच में सामने आया कि यात्रियों ने वास्तविक संकट के बजाय बेहद तुच्छ कारणों से आपातकालीन चेन खींची, जिससे एक्सप्रेस ट्रेनों को मानो ?मांग पर रुकने वाली निजी सेवा? में बदल दिया गया। आरपीएफ रिकॉर्ड में दर्ज वास्तविक घटनाएं यात्रियों के व्यवहार की एक हैरान करने वाली तस्वीर पेश करती हैं। सुविधा की तलाश में आसनसोल मंडल में 4 और मालदा मंडल में 4 यात्रियों ने केवल इसलिए आपातकालीन चेन खींच दी क्योंकि ट्रेन उनके गांव या घर के पास से गुजर रही थी, जबकि निर्धारित स्टेशन पर रुकने की व्यवस्था पहले से मौजूद थी। इसी प्रकार, गहरी नींद भी व्यवधान का कारण बनी। आसनसोल में 3 और हावड़ा में 2 यात्री देर से जागे और जब उन्हें एहसास हुआ कि उनका स्टेशन निकलने वाला है, तो उन्होंने अपनी गलती सुधारने के लिए तुरंत चेन खींच दी। अनजाने में हुई गलतियों ने भी परिचालन प्रभावित किया। आसनसोल में 8 मामलों और सियालदह में 2 मामलों में यात्रियों ने गलती से एसीपी हैंडल को छू दिया। वहीं आसनसोल में 2 मामलों में यात्रियों ने अपना भारी सामान सीधे आपातकालीन लीवर पर टांग दिया, जिससे चेन सक्रिय हो गई। अत्यधिक भावुकता भी कारण बनी। आसनसोल में 2 लोगों ने अपने रिश्तेदारों को विदा करने के लिए डिब्बे में प्रवेश किया, लेकिन ट्रेन चलने से पहले उतर नहीं पाए और चेन खींच दी। इसके अलावा आसनसोल में 4 और हावड़ा में 2 यात्रियों ने गलत ट्रेन में चढ़ जाने के बाद चेन खींच दी। समय पर ट्रेन में चढ़ने या उतरने में विफल रहने के कारण भी कई घटनाएं हुईं। आसनसोल में 4, हावड़ा में 3 और मालदा में 3 यात्रियों ने इसी वजह से एसीपी का दुरुपयोग किया। कुछ घटनाएं और भी विचित्र थीं। सियालदह में एक यात्री ने मोबाइल फोन हाथ से गिर जाने पर चेन खींच दी, जबकि हावड़ा में एक यात्री ने प्लेटफॉर्म पर अपना सामान छूट जाने के कारण ऐसा किया। मालदा में भी सामान छूटने का एक मामला सामने आया, जबकि एक अन्य यात्री ने केवल जल्दी घर पहुँचने के लिए चेन खींच दी। रिकॉर्ड में हावड़ा मंडल में एक प्रेशर ड्रॉप की घटना, अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध 6 जांचाधीन मामले, चलती ट्रेन में सैन्य कर्मियों द्वारा एसीपी लगाने की एक घटना तथा सियालदह में स्टेशन पर देर से पहुँचने के कारण ट्रेन पकड़ने के लिए चेन खींचने का मामला भी दर्ज किया गया। इन मामूली दिखने वाली घटनाओं के कारण पूरे रेलवे नेटवर्क पर गंभीर प्रभाव पड़ा। कुल 86 ट्रेनों को रोकना पड़ा। औसतन प्रत्येक घटना में आसनसोल में 13 मिनट, हावड़ा में 14 मिनट तथा मालदा और सियालदह के कुछ खंडों में 17 मिनट तक का विलंब हुआ। आसनसोल मंडल में सीतारामपुर जंक्शन-झाझा खंड में 32 ट्रेनें, सीतारामपुर जंक्शन-प्रधानखुंटा खंड में 7 ट्रेनें तथा सीतारामपुर जंक्शन-खाना जंक्शन खंड में 3 ट्रेनें प्रभावित हुईं। हावड़ा मंडल में हावड़ा जंक्शन-खाना जंक्शन खंड में 22 तथा खाना जंक्शन-गुमानी खंड में 8 ट्रेनों को रोका गया। मालदा मंडल में बरहरवा जंक्शन-किऊल जंक्शन खंड में 2, भागलपुर जंक्शन-किऊल जंक्शन खंड में 4 तथा मालदा टाउन-किऊल जंक्शन खंड में 3 ट्रेनें प्रभावित हुईं। सियालदह मंडल में सियालदह-कलकत्ता कॉर्ड लिंक केबिन खंड में 5 ट्रेनों को रोका गया। इस बढ़ती समस्या पर अंकुश लगाने के लिए पूर्व रेलवे ने मई माह के दौरान सघन अभियान चलाया। इसके परिणामस्वरूप 72 आपराधिक मामले दर्ज किए गए और 58 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। आसनसोल मंडल में रेलवे अधिनियम के तहत 37 मामले दर्ज कर 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हावड़ा मंडल में 24 घटनाओं के संबंध में 22 मामले दर्ज कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। मालदा मंडल में 9 मामले दर्ज किए गए तथा 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया (1 गिरफ्तारी अभी शेष है)। सियालदह मंडल में 4 मामले दर्ज हुए और 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूर्व रेलवे ने जनता को याद दिलाया है कि अलार्म चेन पुलिंग (अउढ) रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 141 के अंतर्गत विनियमित है। यह सुविधा केवल वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों के लिए उपलब्ध कराई गई है और इसका अनधिकृत उपयोग एक गंभीर दंडनीय अपराध है। अनधिकृत रूप से एसीपी का उपयोग करने वाले व्यक्ति को एक वर्ष तक का कारावास, 1,000 रुपये तक का जुमार्ना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं। दोषियों को रंगे हाथ पकड़ने और अनावश्यक विलंब रोकने के लिए आरपीएफ टीमों ने कोचों के भीतर निगरानी और सख्त कर दी है।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव आज छपरा - आनन्द बिहार नई रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

बिहान भारत

गोरखपुर: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं बिहार के मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी 19 जून,2026 को छपरा जं. स्टेशन पर आयोजित समारोह में छपरा-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस)-छपरा एक्सप्रेस तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 65121/65122 दोहरीघाट-औंड़िहार-दोहरीघाट ट्रेन सेवा का वाराणसी सिटी तक मार्ग विस्तार, मऊ-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस)-मऊ एक्सप्रेस तथा का शुभारम्भ हरी झंडी दिखाकर करेंगे। छपरा जं. स्टेशन पर आयोजित समारोह में सांसद, सारण राजीव प्रताप रूडी, सांसद, महाराजगंज जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, सदस्य विधान परिषद वीरेन्द्र नारायण यादव, सदस्य विधान परिषद आफाक अहमद, सदस्य विधान परिषद सच्चिदानंद राय, विधायक श्रीमती छोटी कुमारी तथा मऊ जं. स्टेशन पर आयोजित समारोह में नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार अरविन्द कुमार शर्मा, सांसद, घोसी राजीव राय की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा।

इसके अतिरिक्त 19 जून,2026 को बिहार के मढ़ौरा लोको प्लांट में आयोजित एक समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री, बिहार सरकार सम्राट चौधरी इस लोको मोटिव फैक्टरी से गिनी गणराज्य को निर्यात होने वाले 51वें रेल इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

इस अवसर पर छपरा जं. स्टेशन पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेलवे छत्रसाल सिंह, मंडल रेल प्रबन्धक, वाराणसी तथा मऊ जं. स्टेशन पर अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ रेल अधिकारी तथा क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहेंगे।

छपरा एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश से काफी संख्या में यात्री दिल्ली एवं इसके निकटवर्ती शहरों में रोजगार, शिक्षा, उपचार एवं अन्य कार्यो से जाते हैं और दिल्ली जाने वाले यात्रियों की संख्या में निरंतर वृद्धि को ध्यान में रखकर रेल मंत्रालय द्वारा 12527/12528 छपरा-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस)-छपरा साप्ताहिक एक्सप्रेस तथा 14055/14056 मऊ-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस)-मऊ एक्सप्रेस के संचलन को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त 65121/65122 दोहरीघाट-औंड़िहार-दोहरीघाट ट्रेन सेवा का वाराणसी सिटी तक मार्ग विस्तार को स्वीकृति प्रदान की गई।

छपरा-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस)-छपरा एक्सप्रेस का शुभारम्भः- 12527 छपरा-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस) एक्सप्रेस छपरा से प्रत्येक रविवार को 20.50 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 14.00 बजे आनन्द विहार टर्मिनस पहुॅचेगी। जबकि 12528 दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस)-छपरा एक्सप्रेस आनन्द विहार टर्मिनस से प्रत्येक सोमवार को 16.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 09.40 बजे छपरा पहुॅचेगी। यह गाड़ी अपने यात्रा मार्ग में बलिया, मऊ, आजमगढ़, शाहगंज, जौनपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ एवं गाजियाबाद स्टेशनों पर रूकेगी।

मऊ-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनस) एक्सप्रेस का शुभारम्भः- 14055 मऊ-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस मऊ से प्रत्येक बृहस्पतिवार को 10.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 03.00 बजे आनन्द विहार टर्मिनस पहुॅचेगी। वापसी यात्रा में 14056 आनन्द विहार टर्मिनस-मऊ एक्सप्रेस आनन्द विहार टर्मिनस से प्रत्येक बुधवार को 15.00 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन मऊ 05.45 बजे पहुॅचेगी। यह गाड़ी अपने यात्रा मार्ग में मुहम्मदाबाद, आजमगढ़, खोरासन रोड, शाहगंज, जौनपुर, जंघई, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर रूकेगी।

दोहरीघाट-औंड़िहार मेमू ट्रेन सेवा का वाराणसी सिटी तक मार्ग विस्तारः- 65121/65122 दोहरीघाट-औंड़िहार-दोहरीघाट मेमू ट्रेन सेवा की लोकप्रियता एवं जनआकांक्षाओं को देखते हुए आज से इस गाड़ी का मार्ग विस्तार वाराणसी सिटी तक किया जा रहा है।

इन गाड़ियों के चलने से छात्रों, किसानों, व्यावसायियों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को काफी सुविधा होगी तथा क्षेत्र के कृषि एवं अन्य उत्पादों को बाजार मिलने से क्षेत्र के आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को गति मिलेगी। ये गाडियॉ उद्घाटन विशेष गाड़ी के रूप में चलाई जाएंगी।

रांची से बेंगलुरु-हैदराबाद के लिए जल्द मिल सकती है नई ट्रेन की सौगात

बिभा संवाददाता

रांची। रांची से दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए जल्द बड़ी राहत मिलने की संभावना है। रेलवे ने रांची से बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए नई ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेज दिया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अगले एक महीने के भीतर दोनों ट्रेनों का परिचालन शुरू हो सकता है।

रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दक्षिण भारत जाने वाली ट्रेनों में लगातार बढ़ रही भीड़ और लंबी वेटिंग सूची को देखते हुए यह पहल की गई है। नई ट्रेनों के शुरू होने से यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होगी और हवाई यात्रा के महंगे विकल्प पर निर्भरता भी कम होगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बेंगलुरु रेलखंड पर चल रहे आवश्यक विकास कार्यों के पूरा होने के बाद नई ट्रेन चलाने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। प्रस्तावित रांची-बेंगलुरु ट्रेन बरकाकाना, गया, जबलपुर, नागपुर, काजीपेट और धर्मावरम होते हुए बेंगलुरु पहुंचेगी। इससे झारखंड के यात्रियों को दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों तक सीधी और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध होगी।

इसके अलावा रांची से हैदराबाद के लिए भी नई ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है। दोनों ट्रेनों को सप्ताह में चार-चार दिन संचालित करने का प्रस्ताव है। इससे छात्रों, नौकरीपेशा लोगों, व्यवसायियों और दक्षिण भारत में रहने वाले झारखंड के लोगों को सुविधा होगी।

पूर्व रेलवे ने मालदा और आसनसोल मंडलों में यात्रियों की सुगम यात्रा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मनसून-पूर्व तैयारियों को तेज किया

बिहान भारत

कोलकाता: एक समय था जब मानसून के आगमन के साथ ही दैनिक यात्रियों के मन में चिंता की लहर दौड़ जाती थी। भारी बारिश के कारण जल निकासी की व्यवस्था बाधित हो जाती थी, जिससे पटरियों पर पानी भर जाता था, ट्रेनें देर से चलती थीं और प्लेटफॉर्म कीचड़ से भर जाते थे, जिससे रोजमर्रा की यात्रा थकाऊ और कष्टदायक हो जाती थी। हालाँकि, मानसून की उन लगातार परेशानियों के दिन अब तेजी से अतीत की बात बनते जा रहे हैं। केवल समस्या आने पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पूर्व रेलवे ने मजबूत और पहले से तैयारी करने की संस्कृति अपनाई है। इसमें क्षेत्र में पहली भारी बारिश होने से काफी पहले ही यात्रियों की सुविधा और पूर्ण सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में एक व्यापक बहु-मंडलीय रणनीति सफलतापूर्वक लागू की गई है। मालदा और आसनसोल जैसे प्रमुख

मंडलों में सुरक्षा ऑडिट, गहन स्वच्छता अभियान और चौबीसों घंटे निगरानी व्यवस्था स्थापित की गई है, ताकि मानसून के दौरान रेल परिचालन प्रभावित न हो।

मालदा मंडल ने महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना की सुरक्षा के लिए मानसून-पूर्व कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल की पूर्णता का औपचारिक प्रमाणन कर दिया है। सभी संवेदनशील रेल खंडों पर रात्रिकालीन मानसून गश्त के लिए अनुमोदित चार्ट तथा नामित टीमें तैनात की गई हैं, जिन्हें आवश्यक रात्रि उपकरण एवं उपभोग्य सामग्री उपलब्ध कराई गई है। 1 जून, 2026 से महत्वपूर्ण पुलों और ट्रैक स्थलों पर स्थायी एवं मोबाइल चौकीदार सक्रिय रूप से तैनात किए गए हैं। आपातकालीन परिस्थितियों से त्वरित निपटने के लिए बोल्डर, बालू, खदान की धूल, कोयले की राख, रिलीविंग गर्डर तथा सीसी क्रिब जैसी सामग्रियों का विशाल भंडार निर्धारित स्थानों पर रखा गया है। साथ ही, तत्काल लोडिंग के लिए खाली वैगनों की व्यवस्था पहले से कर ली गई है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में बालू से भरे बोरे (सैंडबैग) रणनीतिक स्थानों पर त्वरित उपयोग के लिए रखे गए हैं। संरचनात्मक सुरक्षा के तहत पहाड़ी कटिंग क्षेत्रों से ढीले पत्थरों को हटाया गया है तथा सभी कैच-वॉटर, साइड और यार्ड ड्रेनों की पूरी तरह से गाद निकासी (डिसिल्टिंग) की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के साथ मजबूत समन्वय स्थापित किया गया है, जिससे तेज हवाओं और भारी वर्षा की वास्तविक समय (रियल-टाइम) चेतावनियां प्राप्त हो सकें। साथ ही, राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षणों के माध्यम से बांधों से अतिरिक्त जल छोड़े जाने की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा सकें।

इसी के साथ, आसनसोल मंडल ने पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग के नेतृत्व में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर मौसमी चुनौतियों का सामना किया है। आसनसोल, अंडाल और दुर्गापुर स्टील जैसी बड़ी रेलवे कॉलोनियों के साथ-साथ दुबराजपुर, कुमारधुबी, चिनपई, दुर्गापुर, रानीगंज, जसीडीह और मधुपुर स्टेशन कॉलोनियों में आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर नालों की सफाई का कार्य सक्रिय रूप से किया जा रहा है। 8 जून से 10 जून, 2026 तक तीन दिवसीय उच्च-तीव्रता अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य गाद, कचरा और जमे हुए पानी को हटाकर जल निकासी को सुचारु बनाना, जलभराव रोकना तथा मलेरिया और डेंगू जैसी वाहक-जनित बीमारियों की रोकथाम करना था।

इस सफाई अभियान को पूरे मंडल क्षेत्र में प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए दैनिक कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वित किया गया। 8 जून को आसनसोल, अंडाल, रानीगंज, मधुपुर, जसीडीह, दुर्गापुर, उखड़ा, दुमका और सीतारामपुर में अभियान चलाया गया। 9 जून को पानागढ़, चित्तरंजन, कुल्टी, सीतारामपुर, सिउड़ी, आसनसोल कॉलोनी, मधुपुर, जामताड़ा, देवघर, अंडाल, दुमका कॉलोनी और रानीगंज में कार्य किया गया। अंतिम दिन,10 जून को सिउड़ी, अंडाल, बराकर, उखड़ा, दुर्गापुर, सीतारामपुर, गिरिडीह, मधुपुर, कुमारधुबी, रानीगंज, पानागढ़, मनकर और आसनसोल में गहन गतिविधियों के साथ अभियान संपन्न हुआ। पूरे अभियान के दौरान ईएनएचएम अधिकारी एवं फील्ड स्टाफ स्टेशन परिसरों, सकुर्लेटिंग क्षेत्रों, सेवा भवनों और आवासीय कॉलोनियों में स्वयं उपस्थित रहकर कार्यों की निगरानी करते रहे।

मालदा मंडल की संरचनात्मक इंजीनियरिंग आधारित सावधानियों और आसनसोल मंडल की गहन स्वच्छता योजनाओं को एक साथ लागू करते हुए पूर्व रेलवे सुरक्षित, स्वच्छ और भरोसेमंद रेल यात्राएं सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इन प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा हमारी टीमों ने जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम किया है ताकि मानसून के दौरान होने वाली बाधाओं का केवल प्रबंधन करने के बजाय उन्हें पूरी तरह रोकने की दिशा में कार्य किया जा सके। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रियों को पूरे वर्षा ऋतु में सुरक्षित, स्वच्छ और समयनिष्ठ यात्रा का अनुभव प्राप्त हो।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com